SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

Established: 1962

A^{++} Accredited by NAAC (2021) With CGPA 3.52

New Syllabus For

Bachelor of Arts [B. A. in Hindi]

UNDER
Faculty of Humanities

B. A. Part III (Sem - V and - VI)

STRUCTURE AND SYLLABUS IN ACCORDANCE WITH

NATIONAL EDUCATION POLICY - 2020

HAVING CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

WITH MULTIPLE ENTRY AND MULTIPLE EXIT OPTIONS

(TO BE IMPLEMENTED FROM ACADEMIC YEAR 2026-27 ONWARDS)

INDEX

Sr. No.	Content	Page No
1.	PREAMBLE	3
2.	PROGRAMME LEARNING OUTCOMES (PO)	4
3.	PSO (Program Specific Outcome)	4
4.	DURATION	4
5.	ELIGIBILITY FOR ADMISSION	4
6.	MEDIUM OF INSTRUCTION	4
7.	EXAMINATION PATTERN	5
8.	SCHEME OF TEACHING AND EXAMINATION	5
9.	STRUCTURE OF PROGRAMME	6
10.	COURSE CODE TABLE	7-8
11.	EQUIVALENCE OF THE PAPERS	9
12.	DETERMINATION OF CGPA, GRADING AND DECLARATION OF RESULTS	10-12
13.	NATURE OF QUESTION PAPER AND SCHEME OF MARKING	12-13
14.	SYLLABUS	13-69

1. PREAMBLE:

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 में उल्लेखित दिशानिर्देशों और प्रावधानों को शामिल करते हुए जून, 2026 से बी. ए. भाग - 3 (हिंदी) सत्र - V और VI के पाठ्यक्रम को बदलने का निर्णय लिया है। एनईपी सामान्य (अकादमिक) शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल पर आधारित शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षा के एकीकरण पर जोर देकर समग्र और बहु-विषयक शिक्षा का परिचय देता है, जो छात्रों में रुचि विकसित करने में मदद करेगा। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में तेजी से प्रगति के कारण हिंदी और संबंधित विषयों को विकसित दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर के हिंदी अध्ययन मंडल ने बी. ए. भाग - 3 (हिंदी) सत्र - V और VI के लिए पाठ्यक्रम विकसित किया है, जो पारंपरिक शैक्षणिक सीमाओं से परे हैं। पाठ्यक्रम को एनईपी 2020 दिशानिर्देशों के साथ क्रमबद्ध किया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों को ऐसी शिक्षा मिले जो उन्हें चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करें।

हिंदी विषय की उपाधि छात्रों को ज्ञान और कौशल के साथ सुसज्जित करती है, जो जीविका को पूरा करने के लिए आवश्यक है। हिंदी में स्नातक छात्रों को ज्ञान प्रदान करने के साथ मनोरंजन की शिक्षा देना, हिंदी भाषा-शैली से अवगत कराना, हिंदी साहित्य एवं भाषा के प्रति अनुराग का विकास करना, जीवन के प्रति यथार्थता एवं स्वाभाविकता का बोध कराना, आदर्श जीवन के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना, विचार, कल्पनाशक्ति, तर्कशक्ति का विकास करना, भावनात्मक तथा चारित्रिक गुणों को विकसित करना, सामाजिकता एवं राष्ट्रीयता की भावना का विकास करना, साहित्य का अंतिम उद्देश्य सत्यम् शिवम् सुन्दरम् की प्राप्ति करना आदि मानवीय तथा नैतिक मूल्यों को विकसित कर छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर दिलाना हैं। कुल मिलाकर एनईपी 2020 के अनुसार हिंदी पाठ्यक्रम को संशोधित करना सुनिश्चित करता है कि छात्रों को प्रासंगिक, व्यापक शिक्षा मिले और उन्हें गतिशील बनाने के लिए तैयार किया जाए। प्रस्तुत पाठ्यक्रम छात्रों को समाज में सार्थक योगदान देने और तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में अपने शैक्षणिक और व्यावसायिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है।

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.
Syllbus for B.A. HINDI Programme To be introduced from June, 2026
As per the Guidelines fo NEP 2020.

2. PO (Programme Outcome) :

1. हिंदी भाषा एवं साहित्य के अध्ययन के साथ रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना।
2. छात्रों में सृजनशील और समीक्षात्मक कौशल का विकास करना।
3. एकसंघ भारत के लिए संवेदनशील विद्वतजन और आदर्श नागरिक निर्माण हेतु प्रयास करना।
4. प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन करना।
5. हिंदी साहित्य के विविध विमर्शों और साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों एवं विभिन्न वादों के अध्ययन हेतु छात्रों को प्रोत्साहित करना।
6. सृजनात्मक लेखन और भाषिक कौशल प्राप्ति हेतु मार्गदर्शन कर, उस पर अधिकार प्राप्ति हेतु छात्रों को प्रेरित करना।

3. PSO (Program Specific Outcome) :

1. छात्रों को हिंदी साहित्य और उसमें प्रतिबिंबित विभिन्न विचार प्रवाह और साहित्यकारों के संदर्भ में जानकारी प्राप्त होगी।
2. छात्रों को समाज और संस्कृति की ओर देखने का नया दृष्टिकोन प्राप्त होगा।
3. छात्र उचित, प्रभावी एवं कौशलपूर्ण भाषा का प्रयोग करने में सक्षम होंगे।
4. छात्रों को हिंदी भाषा और साहित्य के विविध आयामों के साथ रोजगार के विभिन्न अवसर प्राप्त होंगे।
5. छात्र सृजनशील लेखन में निपुणता प्राप्त करेंगे।
6. विभिन्न शाखाओं के छात्रों को हिंदी भाषा, भारतीय संस्कृति, साहित्य, इतिहास, संपादन संहिता आदि का ज्ञान प्राप्त होगा।
7. राजभाषा अधिकारी तथा अन्य प्रतियोगिताओं के संदर्भ में ज्ञान प्राप्त होगा।
8. प्रस्तुत पाठयक्रम उज्ज्वल गौरवशाली भारत के भविष्य के लिए सृजनात्मक, संवेदनशील, आदर्श, सुशिक्षित, राष्ट्रप्रेमी नागरिक बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाहन करेगा।
9. सोशल मीडिया के माध्यमों से छात्र परिचित होंगे, जिससे उनका लेखन एवं निवेदन कौशल विकसित होगा।

4. DURATION OF THE COURSE:

The Bachelor of Arts in Hindi programme shall be A FULL TIME COURSE OF 3/4 YEARS – 6/8 SEMESTERS DURATION with 22 Credits per Semester. (Total Credits = 132/176)

5. ELIGIBILITY FOR ADMISSION -

The criteria for admission are as per the rules and regulations set from time to time by concerned departments, HEIs, university, government and other relevant statutory authorities.

6. MEDIUM OF INSTRUCTION:

The medium of instruction shall be HINDI. However, the students will have AN OPTION TO WRITE ANSWER - SCRIPTS IN HINDI.

7. EXAMINATION PATTERN -

The Pattern of Examination will be Semester End Examination with Internal Assesement/Evaluation.

8. SCHEME OF TEACHING AND EXAMINATION PATTERN:

B. A. Programme Structure for Level 5.5 of B.A. III - Semester V and VI

Teaching Scheme							Examination Scheme					
Sr. No.	Theory (TH)				Practical (PR)		Semester - end Examination (SEE)			Internal Assessment (IA)		
	Course Type	No. of Lectures per Week	Hours	Credits	Hours	Credits	Paper Hours	Max	Min. Passing	Internal	Max	Min. Passing
1	MM -VII	4	4	4			3	80	28	--	20	08
2	MM - VIII	4	4	4			3	80	28	--	20	08
3	MM - IX	2	2	2			2	40	14	--	10	04
4	ME - I	4	4	4			3	80	28	--	20	08
5	MN -III	4	4	4			3	80	28	--	20	08
6	OE - V	2	2	2			2	40	14		10	04
7	FP	--	--	--	--	2	**Report**	40	14	**Viva-Voce**	10	04
Total		20	20	20	--	2	---	440		--	110	---
										SEE + IA: 440 + 110 = 550		

B.A. III Hindi Semester - VI												
Teaching Scheme							Examination Scheme					
Sr. No.	Theory (TH)				Practical (PR)		Semester - end Examination (SEE)			Internal Assessment (IA)		
	Course Type	No. of Lectur esper Week	Hours	Credits	Hours	Credits	Paper Hours	Max	Min. Passing	Internal	Max	Min. Passing
1	MM -X	4	4	4			3	80	28	--	20	08
2	MM -XI	4	4	4			3	80	28	--	20	08
3	MM -XII	2	2	2	--	--	2	40	14	--	10	04
4	ME -II	4	4	4			3	80	28	--	20	08
5	MN-IV	4	4	4			3	80	28		20	08
6	OJT	--	--	--	--	4	**Report**	80	28	**Viva-Voce**	20	08
Total		18	18	18	--	4		440			110	
										SEE + IA 440 + 110 = 550		
Semester III and IV		38	38	38	--	6		880	-	SEE + IA: 880 + 220 = 1100		
Total credits required for completing. B.A. III: 44 Credits												

MM: Major Mandatory - There will be Three mandatory courses for each semester.
ME: Major Elective (Student should opt for ANY ONE course from the group of elective courses/basket).
MN- There will be ONE minor courses for each semester.
FP/OJT : It is a mandatory course.

NOTE: Separate passing is mandatory for both, Semester End Examination and Internal Evaluation/Assessment.

9. STRUCTURE OF PROGRAMME:

YEAR	**B.A.III**
SEMESTER	**V and VI**
LEVEL	**5.5**
TOTAL CREDITS	**22 + 22 = 44**
DEGREE AWARDED	**UG DEGREE (AFTER 132 CREDITS IN TOTAL)**

Credit Distribution Structure for T.Y.B.A.(Hindi)- 2026 Pattern 2026-2027

Level	Semester	Major		Minor	OE	FP / OJT	Cum. Cr/Sem	Degree/Cum.Cr.
		Mandatory	Electives					
5.5	V	साहित्यशास्त्र - VII BAU0325MML402E01 (4 credits)	विधा विशेष का अध्ययन-I BAU0325MEL402E01 (4 - credits)	व्यावहारिक हिंदी और निबंध BAU0325MNL402E01 (4 - credits)	साहित्य और सिनेमा - 5 BAU0325OEL402E01 (2 - credits)	Field Project BAU0325FPL402E01 (2 - credits)	22	UG Certificate 44 credits
		हिंदी साहित्य का इतिहास - VIII BAU0325MML402E02 (4 credits)	प्रयोजनमूलक हिंदी - I BAU0325MEL402E02 (4 - credits)					
		भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - IX BAU0325MML402E03 (2 credits)						
		साहित्यशास्त्र और हिंदी आलोचना - X BAU0325MML402F01 (4 credits)	विधा विशेष का अध्ययन - II BAU0325MEL402F01 (4 - credits)	व्यावहारिक हिंदी और एकांकी BAU0325MNL402	--	On Job Training (OJT) BAU0325OJTL40		

	VI	हिंदी साहित्य का इतिहास - XI BAU0325MML402F02 (4 - credits)	प्रयोजनमूलक हिंदी - II BAU0325MEL402F02 (4 - credits)	F01 (4 credits)		2F01 (4 - credits)	22	
		भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - XII BAU0325MML402F03 (2 - credits)						
	Credit for B.A.III (SEM V and VI)	20	08	08	02	06	44	
Credit for - B.A.I (SEM I & II) + B.A.II (SEM III & IV) + B.A.III (SEM V & VI)							**44 + 44 + 44 = 132**	

Sem- Semester, **MM-** Major Mandatory, **ME-** Major Elective, **MN**-Minor, **OJT-** On Job Training /Internship/ Apprenticeship, **FP-** Field Project

10. COURSE CODE TABLE:

Note 1: Add 'rows' wherever necessary as per course requirement and kindly apply proper course codes. The 'Paper Numbers' are considered as 'Course Numbers' in New Scheme.

Note 2: See the instructions below to prepare the Course Codes in NEP

Course Structure for B.A..III (Hindi) 2026 Pattern (2020 NEP Pattern)2026-27

Sem	Course Type	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	No. of Credits
V	Major (Mandatory)	BAU0325MML402E01	साहित्यशास्त्र - VII	Theory	04
	Major (Mandatory)	BAU0325MML402E02	हिंदी साहित्य का इतिहास - VIII	Theory	04
	Major (Mandatory)	BAU0325MML402E03	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - IX	Theory	02
	Major (Elective)	BAU0325MEL402E01	विधा विशेष का अध्ययन - I	Theory (Any One)	04
	Major (Elective)	BAU0325MEL402E02	प्रयोजनमूलक हिंदी - I		
	Minor	BAU0325MNL402E01	व्यावहारिक हिंदी और निबंध - III	Theory	04
	Open Elective (OE)	BAU0325OEL402E01	साहित्य और सिनेमा - V	Theory	02
	Field ProjectFP	BAU0325FPL402E01	Field Project (FP)	Practical	02
	Total Credits Semester-V				**22**
VI	Major (Mandatory)	BAU0325MML402F01	साहित्यशास्त्र और हिंदी आलोचना - X	Theory	04
	Major (Mandatory)	BAU0325MML402F02	हिंदी साहित्य का इतिहास - XI	Theory	04
	Major (Mandatory)	BAU0325MML402F03	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - XII	Theory	02
	Major (Elective)	BAU0325MEL402F01	विधा विशेष का अध्ययन - II	Theory (Any One)	04
	Major (Elective)	BAU0325MEL402F02	प्रयोजनमूलक हिंदी - II		
	Minor	BAU0325MNL402F01	व्यावहारिक हिंदी और एकांकी - IV	Theory	04
	On Job Training (OJT)	BAU0325OJTL402F01	On Job Training (OJT)	Practical	04
	Total Credits Semester-VI				**22**
	Cumulative Credits Semester V + Semester - VI				**44**

(Note : Add rows as per course requirement and kindle apply proper course codes. The Papers are considerd as course in New Scheme.)

11. Equivalence of the Papers : B.A. III Sem- V and VI

Sem	Title of Old Paper	Credit	Title of New Course	Credit
V	विधा विशेष का अध्ययन - VII	4	साहित्यशास्त्र - VII	4
	साहित्यशास्त्र - VIII	4	हिंदी साहित्य का इतिहास - VIII	4
	हिंदी साहित्य का इतिहास - IX	4	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - IX	2
	प्रयोजनमूलक हिंदी - X	4	विधा विशेष का अध्ययन - I	4
	भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा - XI	4	प्रयोजनमूलक हिंदी - I	4
	साक्षात्कार की तैयारी - I	--	व्यावहारिक हिंदी और निबंध - III	4
			साहित्य और सिनेमा - V	2
			Field Project (FP)	2
VI	विधा विशेष का अध्ययन - XII	4	साहित्यशास्त्र और हिंदी आलोचना - X	4
	साहित्यशास्त्र और हिंदी आलोचना - XIII	4	हिंदी साहित्य का इतिहास - XI	4
	हिंदी साहित्य का इतिहास - XIV	4	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - XII	2
	प्रयोजनमूलक हिंदी - XV	4	विधा विशेष का अध्ययन - II	4
	भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा - XVI	4	प्रयोजनमूलक हिंदी - II	4
	साक्षात्कार की तैयारी - II	--	व्यावहारिक हिंदी और एकांकी - IV	4
			On Job Training (OJT)	4

12. Determination of CGPA, Grading and declaration of results:

Shivaji University has adopted 10 point Grading System as follows:

- **In each semester, marks obtained in each course (Paper) are converted to grade points:**
  - If the total marks of course are 100 and passing criteria is 40%, then use the following Table 1 for the conversion.
  - If total marks of any of the course are different than 100 (e.g. 50) and passing criterion is 40%, then marks obtained are converted to marks out of 100 as below:

$$Marks\ out\ of\ 100 = \frac{Marks\ obtained\ by\ student\ in\ that\ course}{Total\ marks\ of\ that\ course} \times 100$$

and then grade points are computed using Marks out of 100 as per Table 1.

Table 1: Conversion of Marks out of 100 to grade point

Sr. No.	Marks Range out of 100	Grade point	Letter grade
1	80-100	10	O: Outstanding
2	70-79	9	A+: Excellent
3	60-69	8	A: Very Good
4	55-59	7	B+: Good
5	50-54	6	B: Above Average
6	45-49	5	C: Average
7	40-44	4	P: Pass
8	0-39	0	F: Fail
9	Absent	0	Ab: Absent

Table 2 : Conversion of Marks out of 50 to grade point (Passing: 20)

Sr. No.	Marks Range out of 50	Grade point	Letter grade
1	40-50	10	O: Outstanding
2	35-39	9	A+: Excellent
3	30-34	8	A: Very Good
4	28-29	7	B+: Good
5	25-27	6	B: Above Average
6	23-24	5	C: Average
7	20-22	4	P: Pass
8	0-19	0	F: Fail
9	Absent	0	Ab: Absent

- **Computation of Semester Grade Point Average (SGPA) :**

Based on the grade points earned in each course in each semester, *Semester Grade Point Average (SGPA)* is computed as follows:

The SGPA is the ratio of sum of the product of the number of credits with the grade points scored by a student in all the courses taken by a student in that semester and the sum of the number of credits of all the courses undergone by a student in that semester. The SGPA of the i^{th} semester is denoted by S_i. The formula is given by

$$SGPA\ of\ semester\ i = S_i = \frac{\sum_{j=1}^{k} c_j \times G_j}{\sum_{j=1}^{k} c_j}$$

where c_j is the number of credit of j^{th} course , G_j is the grade points earned in the j^{th} course and k be the number of courses in i^{th} semester.

- **Computation of Semester Grade Point Average (SGPA) :**

Based on the SGPA of each semester, Cumulative Grade Point Average (CGPA) is computed as follows:

The CGPA is also calculated in the same manner taking into account all the courses undergone by a student over all the semesters of a programmed,

$$CGPA = \frac{\sum_{i=1}^{m} C_i \times S_i}{\sum_{i=1}^{m} C_i}$$

Where C_i is the total number of credits in i^{th} semester, S_i is the SGPA of i^{th} semester and m is the number of semesters in the programme.

- **Based on CGPA, final letter grade is assigned as below :**

Table 3: Final Cumulative Grade Point Average (CGPA) and Final Grade for course

Sr. No.	CGPA Range	Grade	Grade Descriptions
1	9.50-10.00	O	Outstanding
2	8.86-9.49	A+	Excellent
3	7.86-8.85	A	Very Good
4	6.86-7.85	B+	Good
5	5.86-6.85	B	Above Average
6	4.86-5.85	C	Average
7	4.00-4.85	P	Pass
8	0.00-3.99	F	Fail
9	Nil	AB	Absent

Remarks :

1. B+ is equivalent to 55% marks and B is equivalent to 50 % marks. The final later grade is based on the grade points in each course of entire programme and not on marks obtained each course of entire programme.
2. The SGPA and CGPA shall be round off to two decimal points.
3.

13. NATURE OF QUESTION PAPER AND SCHEME OF MARKING :

A) FOR FOUR CREDITS: Total Marks: 80

- **Important Note :** The Questions of Minimum 15 Mark's Should be asked on each Module. The Maximum marks per Module Should not exceed 26 Marks.

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न क्र.	प्रश्नपत्र का स्वरूप	अंक
1.	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पीय प्रश्न। अ) नीचे दिए गए छः प्रश्नों के विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए। 12 अंक ब) नीचे दिए गए चार प्रश्नों के विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। 08 अंक	20
2.	इकाई I और II पर लघुत्तरी प्रश्न। (चार में से दो) (उत्तर सीमा 300 - 400 शब्द)	20
3.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (उत्तर सीमा 600 - 800 शब्द)	20
4.	इकाई III और IV पर टिप्पणियाँ। (छः में से चार) (उत्तर सीमा 150-200 शब्द)	20
	अंतर्गत मूल्यमापन - सत्र - V- Seminar सत्र- VI - Field Work/Project Work	20

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नपत्र का स्वरूप केवल **Major Electives - प्रयोजनमूलक हिंदी** - I और II प्रश्नपत्र के लिए रहेगा।

प्रश्न क्र.	प्रश्नपत्र का स्वरूप	अंक
1.	इकाई I पर दस बहुविकल्पीय प्रश्न (पारिभाषिक शब्दावली/वाक्यांश/संक्षेपन पर) अ) नीचे दिए गए छः प्रश्नों के विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए। 12 अंक ब) नीचे दिए गए चार प्रश्नों के विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। 08 अंक	20
2.	इकाई II पर लघुत्तरी प्रश्न। (चार में से दो) (उत्तर सीमा 300 - 400 शब्द)	20
3.	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (उत्तर सीमा 600 - 800 शब्द)	20
4.	इकाई III और IV पर टिप्पणियाँ। (छः में से चार) (उत्तर सीमा 150-200 शब्द)	20
	अंतर्गत मूल्यमापन - सत्र - V- Seminar सत्र- VI - Field Work/Project Work	20

B) FOR TWO CREDITS: Total Marks: 40

- **Important Note :** The Questions of Minimum 10 Mark's Should be asked on each Module. The Maximum marks per Module Should not exceed 16 Marks.

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न क्र.	प्रश्नपत्र का स्वरूप	अंक
1.	समग्र पाठ्यक्रम पर पांच बहुविकल्पीय प्रश्न। अ) नीचे दिए गए तीन प्रश्नों के विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए। 06 अंक ब) नीचे दिए गए दो प्रश्नों के विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। 04 अंक	10
2.	समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न। (चार में से दो) (उत्तर सीमा 150-200 शब्द)	10
3.	समग्र पाठ्यक्रम पर दो दीर्घोत्तरी प्रश्न। (अंतर्गत विकल्प के साथ) (उत्तर सीमा 300 - 400 शब्द)	20
	अंतर्गत मूल्यमापन - सत्र - V- Seminar सत्र- VI - Field Work/Project Work	10

14. Syllabus :

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

बी. ए. भाग - 3 सत्र - V

Major (Mandatory)

प्रश्नपत्र - साहित्यशास्त्र - VII

Faculty	Humanities
Program	B. A. - Hindi
Course	B. A. III
Semester	V
Course Category	Major (Mandatory)
Course Name	साहित्यशास्त्र - VII
Course Code	BAU0325MML402E01
Course Credits	04
Marks	Semester End - 80 + Internal Assessment – 20 = **Total : 100**

उद्देश्य :

1) छात्रों को साहित्य निर्माण की प्रक्रिया से परिचित कराना।
2) छात्रों को काव्य के स्वरूप, तत्त्व एवं भारतीय प्रयोजनों से परिचित कराना।
3) छात्रों को साहित्य / काव्य के गुण, दोष एवं भेदों से परिचित कराना।
4) छात्रों को रस का स्वरूप, अंग एवं भेदों से परिचित कराना।
5) छात्रों को हिंदी के विविध अलंकारों से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण।
2. दृक-श्राव्य माध्यमों/पी.पी.टी संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
3. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
4. अतिथियों एवं विशेषज्ञों के व्याख्यान।
5. ग्रंथालयों के माध्यम से निर्धारित संदर्भ ग्रंथों का विद्यार्थियों से परिचय।
6. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।

पाठ्यक्रम

विभाग Module No.	इकाई / विभाग का नाम Name of Topic/Module		श्रेयांक Credit	अध्यापन तासिका Teaching Hour
1.0	**काव्य / साहित्य**		01	15
	1.	काव्य का स्वरूप।		
	2.	काव्य के तत्त्व।		
	3.	काव्य के भारतीय प्रयोजन।		
2.0	**काव्य / साहित्य**		01	15
	1.	काव्य के गुण।		
	2.	काव्य के दोष।		
	3.	काव्य के भेद - सामान्य परिचय।		
3.0	**रस सिद्धांत**		01	15
	1.	रस का स्वरूप।		
	2.	रस के अंग।		
	3.	रस के भेद।		
4.0	**अलंकार**		01	15
	1.	शब्दालंकार - **(**अनुप्रास, यमक, पुनरुक्ति, विप्सा)		
	2.	अर्थालंकार - **(**उपमा, रुपक, संदेह, अतिशयोक्ति) (केवल लक्षण एवं उदाहरण अपेक्षित है।)		

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1) काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

2) शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत, भारती साहित्य मंदिर, दिल्ली।

3) काव्य के रूप - बाबू गुलाबराय, आत्माराम एंड सन्स प्रकाशन, वाराणसी।

4) भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत - डॉ. कृष्णदेव झारी, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।

5) रस सिद्धांत- स्वरूप विश्लेषण - डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

6) भारतीय साहित्यशास्त्र - डॉ. बलदेव उपाध्याय, नंदकिशोर एंड सन्स, वाराणसी।

7) भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

8) भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ. नगेंद्र, ओरिएंटल बुक डिपो, दिल्ली।

9) रस - अलंकार - पिंगला - डॉ. शंभूनाथ पांडेय, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

10) साहित्य सिद्धांत एवं समीक्षा - प्रा. कृ. ज. वेदपाठक, फडके प्रकाशन, कोल्हापुर।

11) अलंकार पारिजात - नरोत्तमदास स्वामी, अरिहंत प्रकाशन, दिल्ली।

Videos for References :

Language	Title	URL Link
Hindi	काव्य का स्वरूप, तत्त्व एवं भारतीय प्रयोजन	https://share.google/8KkxAhiBHs1UCTplt
	काव्य के गुण - दोष	https://share.google/wesYg2NFIVW1BeijN
	काव्य के भेद	https://share.google/jTLIdFDVJGu7wG2Oi
	रस सिद्धांत	https://share.google/aVzVIERuKf5RPY276
	अलंकार	https://share.google/palx5yVheiTKJnBGr

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

बी. ए. भाग - 3 सत्र - VI

Major (Mandatory)

प्रश्नपत्र - साहित्यशास्त्र और हिंदी आलोचना - X

Faculty	Humanities
Program	B. A. - Hindi
Course	B. A. III
Semester	VI
Course Category	Major (Mandatory)
Course Name	साहित्यशास्त्र और हिंदी आलोचना- X
Course Code	BAU0325MML402F01
Course Credits	04
Marks	Semester End - 80 + Internal Assessment – 20 = **Total : 100**

उद्देश्य :

1) छात्रों को साहित्य निर्माण की प्रक्रिया से परिचित कराना।

2) छात्रों को साहित्य / काव्य के भेदों से परिचित कराना।

3) छात्रों को गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित कराना।

4) छात्रों में साहित्य समीक्षा की दृष्टि विकसित करना।

5) छात्रों को हिंदी आलोचना की विविध प्रणालियों का ज्ञान देना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण।
2. दृक-श्राव्य माध्यमों/पी.पी.टी संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
3. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
4. अतिथियों एवं विशेषज्ञों के व्याख्यान।
5. ग्रंथालयों के माध्यम से निर्धारित संदर्भ ग्रंथों का विद्यार्थियों से परिचय।
6. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।

पाठ्यक्रम

विभाग Module No.	इकाई/विभाग का नाम Name of Topic/Module		श्रेयांक Credit	अध्यापन तासिका Teaching Hour
1.0	**काव्य भेद**		01	15
	1.	खंडकाव्य : स्वरूप, तत्त्व, प्रकार।		
	2.	प्रगीत / गीतिकाव्य : स्वरूप, तत्त्व, प्रकार।		
	3.	गजल : स्वरूप, अंग।		
2.0	**गद्य विधाएँ**		01	15
	1.	कहानी : स्वरूप, तत्त्व, प्रकार।		
	2.	उपन्यास : स्वरूप, तत्त्व, प्रकार। (सामाजिक, ऐतिहासिक, मनोवैज्ञानिक, राजनीतिक)		
	3.	नाटक : स्वरूप, तत्त्व, प्रकार।		
3.0	**गद्य विधाएँ**		01	15
	1.	आत्मकथा : स्वरूप, तत्त्व।		
	2.	रेखाचित्र : स्वरूप, तत्त्व।		
	3.	यात्रा साहित्य : : स्वरूप, तत्त्व।		
4.0	**आलोचना**		01	15
	1.	आलोचना का स्वरूप।		
	2.	आलोचक के गुण।		
	3.	आलोचना के प्रकार - (मनोवैज्ञानिक, तुलनात्मक, मार्क्सवादी, ऐतिहासिक।)		

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1) काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्रा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

2) शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत, भारती साहित्य मंदिर, दिल्ली।

3) काव्य के रूप - बाबू गुलाबराय, आत्माराम एंड सन्स प्रकाशन, वाराणसी।

4) भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत - डॉ. कृष्णदेव झारी, अशोक प्रकाशन,दिल्ली।
5) भारतीय साहित्यशास्त्र - डॉ. बलदेव उपाध्याय, नंदकिशोर एंड सन्स, वाराणसी।
6) भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ.योगेंद्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7) भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ. नगेंद्र, ओरिएंटल बुक डिपो, दिल्ली।
8) साहित्य सिद्धांत एवं समीक्षा - प्रा. कृ. ज. वेदपाठक, फडके प्रकाशन, कोल्हापुर।

Videos for References :

Language	Title	URL Link
Hindi	काव्य भेद	https://share.google/48UwUIZevEHLsMwxS
	गद्य विधाएँ	https://share.google/GoqCvR3mVYxyhlesD
	गद्य की अन्य विधाएँ	https://share.google/fOkX2UXsN203EDEoz
	हिंदी आलोचना	https://share.google/CJhevz7pCLheteSft

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

बी. ए. भाग - 3 सत्र - V

Major (Mandatory)

प्रश्नपत्र - हिंदी साहित्य का इतिहास - VIII

Faculty	Humanities
Program	B. A. - Hindi
Course	B. A. III
Semester	V
Course Category	Major (Mandatory)
Course Name	हिंदी साहित्य का इतिहास - VIII
Course Code	BAU0325MML402E02
Course Credits	04
Marks	Semester End - 80 + Internal Assessment – 20 = **Total : 100**

उद्देश्य :

1) छात्रों को हिंदी साहित्य के इतिहास का परिचय देना।
2) छात्रों को आदिकालीन एवं भक्तिकालीन परिस्थितियों से परिचित कराना।
3) छात्रों को आदिकालीन एवं भक्तिकालीन कवियों से परिचित कराना।
4) छात्रों को आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य धाराओं की विशेषताओं से परिचित कराना।
5) छात्रों को निर्गुण एवं सगुण भक्तिधारा से अवगत करना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण।
2. दृक-श्राव्य माध्यमों/पी.पी.टी संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
3. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
4. अतिथियों एवं विशेषज्ञों के व्याख्यान।
5. ग्रंथालयों के माध्यम से निर्धारित संदर्भ ग्रंथों का विद्यार्थियों से परिचय।
6. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।

पाठ्यक्रम

विभाग Module No.	इकाई / विभाग का नाम Name of Topic/Module		श्रेयांक Credit	अध्यापन तासिका Teaching Hour
1.0	**आदिकाल**		01	15
	1.	हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा।		
	2.	आदिकालीन परिस्थितियाँ : राजनीतिक एवं सामाजिक।		
	3.	आदिकालीन काव्यधारा की विशेषताएँ।		
	4.	आदिकालीन प्रातिनिधिक रचनाकारों का सामान्य परिचय - अमीर खुसरो, विद्यापति।		
2.0	**भक्तिकाल**		01	15
	1.	भक्तिकालीन परिस्थितियाँ : राजनीतिक एवं सामाजिक।		
	2.	भक्तिकाल की पूर्वपीठिका।		
	3.	भक्तिकालीन काव्य धारा की विशेषताएँ।		
	4.	प्रातिनिधिक रचनाकारों का सामान्य परिचय : गुरु नानकदेव, मीराबाई।		
3.0	**निर्गुण भक्तिधारा और प्रातिनिधिक कवि**		01	15
	1.	ज्ञानाश्रयी शाखा की विशेषताएँ।		
	2.	कबीर : व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व।		
	3.	प्रेमाश्रयी शाखा की विशेषताएँ।		
	4.	जायसी : व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व।		
4.0	**सगुण भक्तिधारा और प्रातिनिधिक कवि**		01	15
	1.	राम भक्ति काव्य धारा की विशेषताएँ।		
	2.	तुलसीदास : व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व।		
	3.	कृष्ण भक्ति काव्य धारा की विशेषताएँ।		
	4.	सूरदास : व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व।		

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1) हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य शुक्ल रामचंद्र, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

2) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. शील ईश्वरदत्त, गरिमा प्रकाशन, कानपुर।

3) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली।

4) हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

5) हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

6) हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ - डॉ. शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।

7) हिंदी साहित्य का आधा इतिहास - डॉ. सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।

8) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. भगवान तिवारी, भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी।

9) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. विनम्र सेन सिंह।

10) हिंदी साहित्य का इतिहास - लेखन - प्रभात मिश्र, प्रलेख प्रकाशन, लखनऊ।

Videos for References :

Language	Title	URL Link
Hindi	आदिकालीन परिस्थितियाँ	https://share.google/w4JES7LNP0EJZ6YK3
	आदिकालीन कवि	https://share.google/GJcAH8shWQVZbsmuh
	आदिकालीन काव्य की विशेषताएँ	https://share.google/CiZ313wVHe41VvenR
	भक्तिकालीन परिस्थितियाँ	https://www.google.com/search?hl=en-IN&hl=en-US&client=ms-android-vivo-
	मीराबाई	https://share.google/oIpD3msJtXouuiXOt
	कबीर	https://share.google/k2dP8XRhZ21Kcn1zx
	जायसी	https://share.google/1pMcZfqQOrK2oLRFW
	तुलसीदास	https://share.google/5VFxzKA8ReEuS4Gwj
	सूरदास	https://share.google/HVxUy5ng245nQKfPQ

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

बी. ए. भाग - 3 सत्र - VI

Major (Mandatory)

प्रश्नपत्र - हिंदी साहित्य का इतिहास - XI

Faculty	Humanities
Program	B. A. - Hindi
Course	B. A. III
Semester	VI
Course Category	Major (Mandatory)
Course Name	हिंदी साहित्य का इतिहास - XI
Course Code	BAU0325MML402F02
Course Credits	04
Marks	Semester End - 80 + Internal Assessment – 20 = **Total : 100**

उद्देश्य :

1) छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना।
2) छात्रों को रीतिकालीन एवं आधुनिककालीन परिस्थितियों से परिचित कराना।
3) छात्रों को रीतिकालीन एवं आधुनिककालीन रचनाकारों से परिचित कराना।
4) छात्रों को हिंदी गद्य साहित्य की विकास यात्रा से परिचित कराना।
5) छात्रों को हिंदी साहित्य के अधुनातन प्रवृत्तियों का ज्ञान देना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण।
2. दृक-श्राव्य माध्यमों/पी.पी.टी संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
3. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
4. अतिथियों एवं विशेषज्ञों के व्याख्यान।
5. ग्रंथालयों के माध्यम से निर्धारित संदर्भ ग्रंथों का विद्यार्थियों से परिचय।
6. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।

पाठ्यक्रम

विभाग Module No.	इकाई / विभाग का नाम Name of Topic/Module		श्रेयांक Credit	अध्यापन तासिका Teaching Hour
1.0	**रीतिकाल**		01	15
	1.	रीतिकालीन परिस्थितियाँ : राजनीतिक एवं सामाजिक।		
	2.	रीतिबद्ध काव्य धारा : सामान्य परिचय, प्रमुख कवि - केशवदास एवं देव।		
	3.	रीतिसिद्ध काव्य धारा : सामान्य परिचय, प्रमुख कवि - बिहारी एवं सेनापति।		
	4.	रीतिमुक्त काव्य धारा : सामान्य परिचय, प्रमुख कवि - घनानंद एवं आलम।		
2.0	**आधुनिक काल की काव्यधारा**		01	15
	1.	आधुनिककालीन परिस्थितियाँ : राजनीतिक एवं सामाजिक।		
	2.	द्विवेदी युगीन काव्य धारा : सामान्य परिचय, प्रमुख कवि - मैथिलीशरण गुप्त एवं श्रीधर पाठक।		
	3.	छायावादी काव्य धारा : सामान्य परिचय, प्रमुख कवि - जयशंकर प्रसाद एवं महादेवी वर्मा।		
	4.	प्रगतिवादी काव्य धारा : सामान्य परिचय, प्रमुख कवि - नागार्जुन एवं गजानन माधव मुक्तिबोध।		
3.0	**आधुनिक गद्य विधाओं का विकास**		01	15
	1.	हिंदी जीवनी साहित्य : उद्भव और विकास।		
	2.	हिंदी संस्मरण साहित्य : उद्भव और विकास।		
	3.	हिंदी रिपोर्ताज साहित्य : उद्भव और विकास।		
	4.	हिंदी डायरी साहित्य : उद्भव और विकास।		
4.0	**आधुनिक साहित्य के अधुनातन आयाम**		01	15
	1.	स्त्री-विमर्श का सामान्य परिचय।		
	2.	दलित विमर्श का सामान्य परिचय।		
	3.	किसान विमर्श का सामान्य परिचय।		

	4.	अल्पसंख्यक विमर्श का सामान्य परिचय।		

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1) हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य शुक्ल रामचंद्र, नागरी प्रचारण सभा, वाराणसी।

2) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. शील ईश्वरदत्त, गरिमा प्रकाशन, कानपुर।

3) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र, डॉ. हरदयाल, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली।

4) हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

5) हिंदी साहित्य का उद्‌भव और विकास - हजारी प्रसाद द्‌विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

6) साहित्य में गद्‌य की नई विविध विधाएँ - डॉ. कैलाशचंद भाटिया, रचना भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

7) हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ - डॉ. शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।

8) हिंदी साहित्य का आधा इतिहास - डॉ. सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।

9) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. भगवान तिवारी, भारतीय विद्‌या संस्थान, वाराणसी।

10) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. विनम्र सेन सिंह।

11) हिंदी साहित्य का इतिहास - लेखन - प्रभात मिश्र, प्रलेख प्रकाशन, लखनऊ।

12) दलित साहित्य का सौदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

13) दलित साहित्य का सौदर्यशास्त्र - डॉ. शरणकुमार लिंबाले, लोकचेतना प्रकाशन।

14) भारतीय स्त्री विमर्श - नीरजा माधव, सामायिक प्रकाशन, नई दिल्ली।

15) हिंदी दलित साहित्य - मोहनदास नैमिशराय, साहित्य अकादमी।

16) वाक् पत्रिका - नये विमर्शों का त्रेमासिक 2007, अंक - 3

17) हिंदी साहित्य और अस्मिता मूलक विमर्श - किरण तिवारी।

18) किसान आत्महत्या : यथार्थ और विकल्प - संपा. प्रो. संजय नवले, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

19) मृदुला गर्ग के कथा साहित्य में नारी - डॉ. रमा नवले, विकास प्रकाशन, कानपुर।

Videos for References :

Language	Title	URL Link
Hindi	रीतिकालीन काव्य	https://share.google/MlrXmd7XO1sGtkWl1
	द्विवेदी युगीन काव्य	https://share.google/sUMaam8IGlFubssWK
	छायावादी काव्य	https://share.google/gxUUCxUL73pCKiNa4
	प्रगतिवादी काव्य	https://youtu.be/RGcZVWJXVXM?si=Pw0x6EgBFlSqzMt0
	आधुनिक गद्य विधाओं का विकास	https://share.google/baREDG6jic27RTDRX
	स्त्री-विमर्श	https://share.google/URRgIW1wtwZO0cdlf
	दलित विमर्श	https://share.google/kZG0qcVwuvdPG8Zov
	किसान विमर्श	https://share.google/4Ex0WI4iU2yHlaBXg
	अल्पसंख्यक विमर्श	https://share.google/mqtJ6VgnRvGF5XB3r

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

बी. ए. भाग - 3 सत्र - V

Major (Mandatory)

प्रश्नपत्र - भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा - IX

Faculty	Humanities
Program	B. A. - Hindi
Course	B. A. III
Semester	V
Course Category	Major (Mandatory)
Course Name	भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा - IX
Course Code	BAU0325MML402E03
Course Credits	02
Marks	Semester End - 40 + Internal Assessment – 10 = **Total : 50**

उद्देश्य :

1) छात्रों को भाषा के विविध रूपों से परिचित कराना।
2) छात्रों को भाषा की विशेषताओं से परिचित कराना।
3) छात्रों को हिंदी भाषा एवं लिपि के उद्भव और विकास से परिचित कराना।
4) छात्रों को भाषा की परिवर्तनशीलता के कारणों से परिचित कराना।
5) छात्रों को देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण।
2. दृक-श्राव्य माध्यमों/पी.पी.टी संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
3. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
4. अतिथियों एवं विशेषज्ञों के व्याख्यान।
5. ग्रंथालयों के माध्यम से निर्धारित संदर्भ ग्रंथों का विद्यार्थियों से परिचय।
6. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।

पाठ्यक्रम

विभाग Module No.	इकाई / विभाग का नाम Name of Topic / Module		श्रेयांक Credit	अध्यापन तासिका Teaching Hour
1.0			01	15
	1.	भाषा की परिभाषाएँ।		
	2.	भाषा की विशेषताएँ।		
	3.	भाषा की परिवर्तनशीलता के कारण।		
2.0			01	15
	1.	हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास।		
	2.	लिपि विकास का सामान्य परिचय।		
	3.	देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता।		

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1) भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005

2) भाषा विज्ञान की भूमिका - डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा।

3) भाषा विज्ञान - डॉ. श्रीमाल नेमीचन्द्र, श्रुती प्रकाशन, जयपुर, 2010

4) आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्‌धांत - डॉ. रामकिशोर, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद, 1992

5) भाषा विज्ञान के सिद्‌धांत - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, निराली प्रकाशन, पुणे।

6) हिंदी भाषा और नागरी लिपि - डॉ. भोलानाथ तिवारी, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद, 1992

7) हिंदी भाषा : उद्‌भव विकास और रूप - डॉ. हरदेव बाहरी।

8) हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007

9) भाषा एवं भाषा विज्ञान - डॉ. जैन महावीर सरन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1992

10) हिंदी व्याकरण - कामताप्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

11) मानक हिंदी का शुद्‌धिपरक व्याकरण - डॉ. रमेशचंद्र मेहरोत्रा।

12) भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - डॉ. गंगासहाय प्रेमी, डॉ. त्रिलोक नाथ, श्रीवास्तव, साहित्य सरोवर प्रकाशन, आगरा।

Videos for References :

Language	Title	URL Link
Hindi	भाषा की परिभाषाएँ और विशेषताएँ	https://youtu.be/HFOnBL4DMXA?si=McNh9DfuaKGiJhkS
	भाषा की परिवर्तनशीलता के कारण	https://youtu.be/m3w-B2IstTk?si=Dl33z9cYdzMwkAzl
	हिंदी भाषा का उद्भव और विकास	https://youtu.be/HkRLHWbvv5w?si=y2MpYcSGVbTm1fb4
	देवनागरी लिपि	https://www.youtube.com/live/Rv_djDgvqc?si=nck7M0vXnmeJH4tg

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

बी. ए. भाग - 3 सत्र - VI

Major (Mandatory)

प्रश्नपत्र - भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा - XII

Faculty	Humanities
Program	B. A. - Hindi
Course	B. A. III
Semester	VI
Course Category	Major (Mandatory)
Course Name	भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा - XII
Course Code	BAU0325MML402F03
Course Credits	02
Marks	Semester End - 40 + Internal Assessment – 10 = **Total : 50**

उद्देश्य :

1) छात्रों को भाषा विज्ञान की परिभाषा, अर्थ एवं स्वरूप से परिचित कराना।

2) छात्रों को भाषा विज्ञान के अध्ययन के महत्त्व से परिचित कराना।

3) छात्रों को मानक हिंदी वर्तनी के नियमों से परिचित कराना।

4) भाषा की शुद्धता के प्रति छात्रों को जागृत कराना।

5) भाषा विज्ञान का अन्य ज्ञान-विज्ञानों के संबंध से छात्रों को परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण।
2. दृक-श्राव्य माध्यमों/पी.पी.टी संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
3. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
4. अतिथियों एवं विशेषज्ञों के व्याख्यान।
5. ग्रंथालयों के माध्यम से निर्धारित संदर्भ ग्रंथों का विद्यार्थियों से परिचय।
6. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।

पाठ्यक्रम

विभाग Module No.	इकाई / विभाग का नाम Name of Topic / Module		श्रेयांक Credit	अध्यापन तासिका Teaching Hour
1.0	**भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय**		01	15
	1.	भाषा विज्ञान की परिभाषाएँ - अर्थ, स्वरूप, परिभाषा।		
	2.	भाषा विज्ञान के अध्ययन का महत्त्व।		
	3.	मानक वर्तनी के नियम।		
2.0	**भाषा विज्ञान का अन्य ज्ञान-विज्ञानों से संबंध**		01	15
	1.	भाषा विज्ञान और साहित्य।		
	2.	भाषा विज्ञान और व्याकरण।		
	3.	भाषा विज्ञान और समाज भाषा विज्ञान।		
	4.	भाषा विज्ञान और इतिहास।		
	5.	भाषा विज्ञान और मनोविज्ञान।		
	6.	भाषा विज्ञान और भूगोल।		

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1) भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन, इलाहाबाद।

2) भाषा विज्ञान की भूमिका - डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा।

3) भाषा विज्ञान - डॉ. श्रीमाल नेमीचन्द्र, श्रुती प्रकाशन, जयपुर।

4) आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत - डॉ. रामकिशोर, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद।

5) भाषा विज्ञान के सिद्धांत - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, निराली प्रकाशन, पुणे।

6) हिंदी भाषा और नागरी लिपि - डॉ. भोलानाथ तिवारी, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद।

7) हिंदी भाषा : उद्भव विकास और रूप - डॉ. हरदेव बाहरी।

8) हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

9) भाषा एवं भाषा विज्ञान - डॉ. जैन महावीर सरन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

10) हिंदी व्याकरण - कामताप्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

11) मानक हिंदी का शुद्धिपरक व्याकरण - डॉ. रमेशचंद्र मेहरोत्रा।

12) भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - डॉ. गंगासहाय प्रेमी, डॉ. त्रिलोक नाथ, श्रीवास्तव, साहित्य सरोवर प्रकाशन, आगरा।

13) हिंदी की वर्तनी - कैलाश चंद्र भाटिया।

Videos for References :

Language	Title	URL Link
Hindi	भाषा विज्ञान का अर्थ, परिभाषाएँ, स्वरूप	https://youtu.be/hkCQ6NVwz48?si=ScSe8IGGMfY61dmm
	भाषा विज्ञान के अध्ययन का महत्त्व	https://youtu.be/ztDNkVXHr88?si=4bGQ92XF3S-RTaZ7
	मानक वर्तनी के नियम	https://youtu.be/Xs2kD4n593U?si=v36bTIQIjtR7mWcA
	भाषा विज्ञान का अन्य ज्ञान-विज्ञानों से संबंध	https://youtu.be/BO1L3_tLfGY?si=vn05Gku0zKZgHnqt

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

बी. ए. भाग - 3 सत्र - V

Major (Electives)

प्रश्नपत्र - विधा विशेष का अध्ययन - I

Faculty	Humanities
Program	B. A. - Hindi
Course	B. A. III
Semester	V
Course Category	Major (Electives)
Course Name	विधा विशेष का अध्ययन - I
Course Code	BAU0325MEL402E01
Course Credits	04
Marks	Semester End - 80 + Internal Assessment – 20 = **Total : 100**

उद्देश्य :

1) छात्रों को व्यंग्य साहित्य का उद्भव एवं साहित्य में व्यंग्य की परम्परा से अवगत कराना।

2) छात्रों को व्यंग्य साहित्य की अवधारणा से परिचित कराना।

3) छात्रों को व्यंग्य साहित्य के भेदों से परिचित कराना।

4) छात्रों को व्यंग्य साहित्य के उद्देश्य से परिचित कराना।

5) छात्रों को स्वयं व्यंग्य साहित्य लेखन के लिए प्रेरित करना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण।
2. दृक-श्राव्य माध्यमों/पी.पी.टी संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
3. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
4. अतिथियों एवं विशेषज्ञों के व्याख्यान।
5. ग्रंथालयों के माध्यम से निर्धारित संदर्भ ग्रंथों का विद्यार्थियों से परिचय।
6. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।

पाठ्यपुस्तक : 'आधुनिक श्रेष्ठ व्यंग्य' (व्यंग्य साहित्य) - संपा. घनश्याम अग्रवाल, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

पाठ्यक्रम :

विभाग Module No.	इकाई / विभाग का नाम Name of Topic / Module		श्रेयांक Credit	अध्यापन तासिका Teaching Hour
1.0	**व्यंग्य साहित्य का सामान्य परिचय**		01	15
	1.	व्यंग्य का उद्‌भव।		
	2.	व्यंग्य की परिभाषा।		
	3.	हिंदी साहित्य में व्यंग्य की परम्परा।		
	4.	व्यंग्य के भेद।		
	5.	व्यंग्य लेखन का उद्‌देश्य।		
2.0	**व्यंग्य साहित्य**		01	15
	1.	प्रेम की बिरादरी - हरिशंकर परसाई।		
	2.	उधार मांगना भी एक कला है - डॉ. बरसाने लाल चतुर्वेदी।		
	3.	एक दीक्षांत भाषण - रवींद्रनाथ त्यागी।		
3.0	**व्यंग्य साहित्य**		01	15
	4.	मेरी मौत के बाद - लतीफ़ घोंघी।		
	5.	एक जीते हुए नेता से मुलाकात - श्रीलाल शुक्ल।		
	6.	मुख्यमंत्री का डण्डा - डॉ. सुदर्शन मजीठिया।		
4.0	**व्यंग्य साहित्य**		01	15
	7.	वोटर - अमृतराय।		
	8.	भूतपूर्व प्रेमिकाओं के पत्र - शरद जोशी।		
	9.	विज्ञापन युग - मोहन राकेश।		

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1) हिंदी व्यंग्य का इतिहास - चंदर सुभाष, भावना प्रकाशन, नई दिल्ली।

2) हिंदी साहित्य में व्यंग्य का विकास - डॉ. ललित यादव, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली।

3) हिंदी व्यंग्य विधा शास्त्र और विधा - बापुराव देसाई, चिंतन प्रकाशन, कानपुर।

4) हरिशंकर परसाई का व्यंग्य साहित्य - संपा. शशि शुक्ला, मेधा बुक्स, दिल्ली।

5) शरद जोशी का व्यंग्य साहित्य - डॉ. सूर्यकांत शिंदे, पूजा पब्लिकेशन्स, कानपुर।

Videos for References :

Language	Title	URL Link
Hindi	व्यंग्य साहित्य का सामान्य परिचय	https://youtu.be/uBefH_dSDHM?si=5LO_lqXnwPAm2tXV
	प्रेम की बिरादरी	https://youtu.be/gOgfI0DIcoE?si=G5zvxSrmki99x_Ug
	एक दीक्षांत भाषण	https://youtu.be/8nEVvOk5Xj8?si=MPO5p0-qQG3qvgAI
	मेरी मौत के बाद	https://youtu.be/OZwc1P_qyEw?si=14YX4Ebmke53qv3N
	विज्ञापन युग	https://youtu.be/962Ma9mEc7E?si=5i6Psho8hM2Q9AG2

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

बी. ए. भाग - 3 सत्र - VI

Major (Electives)

प्रश्नपत्र - विधा विशेष का अध्ययन - II

Faculty	Humanities
Program	B. A. - Hindi
Course	B. A. III
Semester	VI
Course Category	Major (Electives)
Course Name	विधा विशेष का अध्ययन - II
Course Code	BAU0325MEL402F01
Course Credits	04
Marks	Semester End - 80 + Internal Assessment – 20 = **Total : 100**

उद्देश्य :

1) छात्रों को निबंध की अवधारणा से परिचित कराना।
2) छात्रों को निबंध का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप से परिचित कराना।
3) छात्रों को निबंध के तत्त्वों से अवगत कराना।
4) छात्रों को निबंध लेखन का उद्देश्य एवं प्रकारों से परिचित कराना।
5) छात्रों को हिंदी निबंध और विभिन्न निबंधकारों से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण।
2. दृक-श्राव्य माध्यमों/पी.पी.टी संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
3. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
4. अतिथियों एवं विशेषज्ञों के व्याख्यान।
5. ग्रंथालयों के माध्यम से निर्धारित संदर्भ ग्रंथों का विद्यार्थियों से परिचय।
6. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।

पाठ्यपुस्तक : श्रेष्ठ निबंध (निबंध साहित्य) - संपा. डॉ. आलोक गुप्ता,
शिक्षा भारती, दिल्ली।

पाठ्यक्रम :

विभाग Module No.	इकाई / विभाग का नाम Name of Topic / Module		श्रेयांक Credit	अध्यापन तासिका Teaching Hour
1.0	**निबंध साहित्य का सामान्य परिचय**		01	15
	1.	निबंध : अर्थ और परिभाषा।		
	2.	निबंध का स्वरूप।		
	3.	निबंध के तत्त्व।		
	4.	निबंध के प्रकार।		
2.0	**निबंध साहित्य**		01	15
	1.	जगत् प्रवाह - बालकृष्ण भट्ट।		
	2.	दाँत - प्रतापनारायण मिश्र।		
	3.	साहित्य की महत्ता - महावीरप्रसाद द्विवेदी।		
3.0	**निबंध साहित्य**		01	15
	4.	आचरण की सभ्यता - सरदार पूर्ण सिंह।		
	5.	गेंहू बनाम गुलाब - रामवृक्ष बेनीपुरी।		
	6.	साहित्य और जीवन - नंददुलारे वाजपेयी।		
4.0	**निबंध साहित्य**		01	15
	7.	जमुना के तीरे-तीरे - विद्यानिवास मिश्र।		
	8.	पहला सफ़ेद बाल - हरिशंकर परसाई।		
	9.	'हिंदी भूषण' बापू शिवपूजन सहाय - रामविलास शर्मा।		

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1) हिंदी निबंध का इतिहास - मृत्युंजय उपाध्याय, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

2) आधुनिक हिंदी निबंध - संपा. गरिमा श्रीवास्तव, नवजीवन पब्लिकेशन्स, राजस्थान।

3) समकालीन हिंदी निबंध - कमला प्रसाद, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़।

4) हिंदी निबंध की विभिन्न शैलियाँ - डॉ. मोहन अवस्थी, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद।

5) हिंदी निबंध लेखन - प्रो. विराज एम., राजपाल एंड सन्स, नई दिल्ली।

6) हिंदी निबंध और निबंधकार - डॉ. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

Videos for References :

Language	Title	URL Link
Hindi	निबंध साहित्य का सामान्य परिचय	https://youtu.be/Ypy7nuee1SQ?si=X9_jeJgCnAWOrl05
	जगत् प्रवाह	https://youtu.be/Q9zHmpVFotQ?si=_M7bgOHiWlc-Nj88
	दाँत	https://youtu.be/K9W0KS6lAd8?si=FtKA2pqAyCAhc2Bk
	साहित्य की महत्ता	https://youtu.be/RwZnbyLOP_s?si=wI_ZYhAy2psQolgq
	आचरण की सभ्यता	https://youtu.be/ym5HM_7yR1Q?si=iWBQ1HY7Ii4NqWR2
	गेंहू बनाम गुलाब	https://www.youtube.com/live/Y_s5Fg5unY?si=n7p0ZtQuLWu0e0kA
	साहित्य और जीवन	https://youtu.be/lDLwIfqgDVQ?si=m1Ngs6fpGsqoKXWo
	जमुना के तीरे-तीरे	https://www.youtube.com/live/t_CIs5rTN0c?si=fCrFNVz6NfLWSEvk
	पहला सफ़ेद बाल	https://youtu.be/Fp-HR9cuBzM?si=S6RBInhku3l623yr
	'हिंदी भूषण' बापू शिवपूजन सहाय	https://youtu.be/CZY5_k5swZk?si=Shpywi4yqeLh3eXa

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

बी. ए. भाग - 3 सत्र - V

Major (Electives)

प्रश्नपत्र - प्रयोजनमूलक हिंदी - I

Faculty	Humanities
Program	B. A. - Hindi
Course	B. A. III
Semester	V
Course Category	Major (Electives)
Course Name	प्रयोजनमूलक हिंदी - I
Course Code	BAU0325MEL402E02
Course Credits	04
Marks	Semester End - 80 + Internal Assessment – 20 = **Total : 100**

उद्देश्य :

1) छात्रों को पारिभाषिक शब्दावली से परिचित कराना।
2) छात्रों को प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूपों की जानकारी देना।
3) छात्रों को विभिन्न संदर्भ स्त्रोतों से परिचित कराना।
4) छात्रों को रोजगारोन्मुख शिक्षा एवं कौशल प्रदान कराना।
5) छात्रों में प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया के लिए लेखन क्षमता का विकास कराना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण।
2. दृक-श्राव्य माध्यमों/पी.पी.टी संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
3. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
4. अतिथियों एवं विशेषज्ञों के व्याख्यान।
5. ग्रंथालयों के माध्यम से निर्धारित संदर्भ ग्रंथों का विद्यार्थियों से परिचय।
6. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।

पाठ्यक्रम

विभाग Module No.	इकाई / विभाग का नाम Name of Topic / Module		श्रेयांक Credit	अध्यापन तासिका Teaching Hour
1.0	**पारिभाषिक शब्दावली** दैनिक व्यवहार में प्रयुक्त अंग्रेजी शब्दों के हिंदी पर्यायवाची रूप (परिशिष्ट में दिए हुए 'अ' तथा 'ब' विभाग के 50 शब्द)		01	15
2.0	**संदर्भ स्त्रोतों का सामान्य परिचय**		01	15
	1.	फेसबुक		
	2.	ट्विटर		
	3.	इंस्टाग्राम		
	4.	कृत्रिम बुद्धिमता (AI)		
3.0	**हिंदी भाषा और रोजगार के अवसर**		01	15
	1.	दूरदर्शन के क्षेत्र में रोजगार।		
	2.	पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार।		
	3.	सिनेमा के क्षेत्र में रोजगार।		
	4.	विज्ञापन के क्षेत्र में रोजगार।		
4.0	**समाचार लेखन**		01	15
	1.	महाविद्यालयीन समारोह का समाचार लेखन।		
	2.	सामाजिक समारोह का समाचार लेखन।		
	3.	प्राकृतिक आपदाओं का समाचार लेखन।		
	4.	दुर्घटनाओं का समाचार लेखन।		

पारिभाषिक शब्दावली

परिशिष्ट (अ)

अ. क्र.	दैनिक व्यवहार में प्रयुक्त अंग्रेजी शब्द	हिंदी पर्यायवाची रूप
1.	Abstract	सार संक्षेप
2.	Agenda	कार्यसूची
3.	Cabinet	मंत्रिमंडल
4.	Daily Diary	दैनंदिनी
5.	Eco-friendly	पर्यावरण-अनुकूल
6.	Face Value	अंकित मूल्य
7.	Gender	लिंग
8.	Hall-Mark	विशेषता, प्रमाण चिहन
9.	Ideal	आदर्श
10.	Jobless	बेरोजगार
11.	Keeper	रक्षक
12.	land ford	भू-स्वामी, मकान मालिक
13.	Maintenance	अनुकरण, रखरखाव
14.	Nominate	नामित करना
15.	Oath	शपथ
16.	Pact	समझौता
17.	Qualify	अर्हता प्राप्त करना
18.	Radiology	विकिरण विज्ञान
19.	Safe and Secure	सुरक्षित और संरक्षित
20.	Tubulisation	तालिका बनाना
21.	Ultimate	चरम, सर्वोच्य, अंतिम
22.	Vague	धुंधला, अस्पष्ट
23.	Wage Board	वेतन बोर्ड

24.	Xerox Copy	छाया प्रति
25.	Yardstick	मानदंड, मापदंड

परिशिष्ट (ब)

अ.क्र.	जनसंचार माध्यम संबंधी शब्द	हिंदी पर्यायवाची रूप
1.	Abstract Bulletin	संक्षिप्त समाचार
2.	Advertisement	विज्ञापन
3.	Announcer	निवेदक
4.	Artistic	कलात्मक
5.	Audio-Visual	दृक श्राव्य
6.	Audience	श्रोता
7.	Biographer	जीवनीकार
8.	Bulletin	विज्ञप्ति
9.	Blank Paper	अमुद्रित पृष्ठ
10.	Caption	शीर्षक
11.	Cartoon	व्यंग्यचित्र
12.	Choreography	नृत्य रचना
13.	Commentator	समालोचक
14.	Communication	संचार
15.	Composing	अक्षरयोजन
16.	Creation	सृजन
17.	Director	निदेशक
18.	Information Technology	सूचना तंत्रज्ञान
19.	Interview	साक्षात्कार
20.	Journalist	पत्रकार
21.	Journal	पत्रिका
22.	Source Language	स्रोत भाषा

23.	Stenographer	आशुलिपिक
24.	Translation	अनुवाद
25.	Weekly	साप्ताहिक

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1) प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

2) प्रयोजनामूलक हिंदी - विविध परिदृश्य - डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, अलका प्रकाशन, कानपुर।

3) टेलीविजन पटकथा लेखन - विनोद तिवारी, परिहंस प्रकाशन, नई दिल्ली।

4) पत्रकारिता के नए परिप्रेक्ष्य - राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

5) जनसंचार और पत्रकारिता : विविध आयाम - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, निराली प्रकाशन, पुणे

6) मीडिया कालीन हिंदी : स्वरूप एवं संभावनाएँ - डॉ. अर्जुन चव्हाण, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

7) प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका - डॉ. कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।

8) मीडिया लेखनः सिद्धांत और व्यवहार - डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली।

9) जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य - डॉ. सुधीश पचौरी, नटराज प्रकाशन, दिल्ली।

10) हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर - प्रा. विकास पाटील, ए.बी.एस. पब्लिकेशन वाराणसी।

11) मीडिया में कैरियर - पी. के. आर्य, ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली।

12) प्रयोजनमूलक हिंदी, 'साहित्य सरोवर' - डॉ. श्रीमती आशा मोहन, साहित्य सरोवर प्रकाशन, आगरा।

13) प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. एन. एम. डोडिया, पैराडाइज पब्लिशर्स, जयपुर।

14) हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर - प्रा. विकास पाटील, ए.बी.एस. पब्लिकेशन, वाराणसी।

15) आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक अध्ययन - डॉ. सुनील कुमार शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

16) हिंदी भाषा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस - नमिता मिश्रा।

17) भाषा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभाव - डॉ. प्रियांका गुप्ता, शारदा पब्लिशर्स।

Videos for References :

Language	Title	URL Link
Hindi	हिंदी भाषा और रोजगार के अवसर	https://youtu.be/ylrpq0hBrzE?si=7LlHM7zrG91VP_rC
	समाचार लेखन	https://youtu.be/tBPqgSK-0t8?si=gKqEn2XOP1JDlbgy

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

बी. ए. भाग - 3 सत्र - VI

Major (Electives)

प्रश्नपत्र - प्रयोजनमूलक हिंदी - II

Faculty	Humanities
Program	B. A. - Hindi
Course	B. A. III
Semester	VI
Course Category	Major (Electives)
Course Name	प्रयोजनमूलक हिंदी - II
Course Code	BAU0325MEL402F02
Course Credits	04
Marks	Semester End - 80 + Internal Assessment – 20 = **Total : 100**

उद्देश्य :

1) छात्रों को पारिभाषिक वाक्यांश एवं संक्षेपण से परिचित कराना।
2) छात्रों में माध्यम लेखन के प्रति आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना।
3) छात्रों को संभाषण कौशल के अर्थ एवं स्वरूप से परिचित कराना।
4) छात्रों को संभाषण कौशल के प्रमुख तत्त्व, विभिन्न रूप एवं उपयोगिता से परिचित कराना।
5) पत्रलेखन की कला को विकसित करते हुए हिंदी भाषा के माध्यम से छात्रों को रोजगार के अवसरों से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण।
2. दृक-श्राव्य माध्यमों/पी.पी.टी संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
3. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
4. अतिथियों एवं विशेषज्ञों के व्याख्यान।
5. ग्रंथालयों के माध्यम से निर्धारित संदर्भ ग्रंथों का विद्यार्थियों से परिचय।
6. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।

पाठ्यक्रम

विभाग Module No.	इकाई / विभाग का नाम Name of Topic / Module		श्रेयांक Credit	अध्यापन तासिका Teaching Hour
1.0	**पारिभाषिक वाक्यांश एवं संक्षेपण** दैनिक व्यवहार में प्रयुक्त अंग्रेजी वाक्यांश के हिंदी पर्यायवाची रूप एवं संक्षेपण (परिशिष्ट में दिए हुए 'क' तथा 'ड' विभाग के 50 शब्द)		01	15
2.0	**माध्यम लेखन**		01	15
	1.	दूरदर्शन धारावाहिक लेखन।		
	2.	पटकथा लेखन।		
	3.	डाक्यूमेंटरी।		
	4.	वेब सीरीज।		
3.0	**संभाषण कला**		01	15
	1.	संभाषण का अर्थ एवं स्वरूप।		
	2.	संभाषण कला के प्रमुख तत्त्व : भाषा ज्ञान, मानक उच्चारण, सटीक प्रस्तुति, अंतराल, ध्वनि, वेग, लहजा।		
	3.	संभाषण कला की उपयोगिता।		
	4.	संभाषण कला के विभिन्न रूप : उद्घोषणा, समालोचना, सूत्रसंचालन।		
4.0	**पत्रलेखन**		01	15
	1.	सरकारी कार्यालयीन पत्र।		
	2.	नौकरी के लिए आवेदन पत्र।		
	3.	पदाधिकारियों के नाम पत्र।		
	4.	कार्यालयीन ज्ञापन।		

पारिभाषिक वाक्यांश - परिशिष्ट (क)

अंग्रेजी के हिंदी वाक्यांश

अ. क्र.	अंग्रेजी शब्द	हिंदी वाक्यांश
1.	above given	ऊपर दिया हुआ
2.	accepted for payment	भुगतान के लिए स्वीकृत
3.	carry out	पालन करना
4.	dispense with	अलग करना
5.	ex-parte judgment	एकपक्षीय निर्णय
6.	for comments	टिप्पणी के लिए
7.	funds not available	निधि उपलब्ध नहीं है
8.	his request be acceded to	उसकी प्रार्थना स्वीकार की जाए
9.	in course of discussion	चर्चा के दौरान
10.	joining Report	कार्यारंभ रिपोर्ट
11.	keep pending	इसे रोके रखें
12.	leave on medical ground	चिकित्सा आधार पर छुट्टी
13.	may be permitted	अनुमति दी जाए
14.	Needs no comments	टिप्पणी की आवश्यकता नहीं
15.	Not satisfactory	संतोषजनक नहीं है
16.	on medical grounds	अस्वस्थ होने के कारण
17.	paid, bill has been	बिल का भुगतान हो गया है
18.	proposal was welcomed	प्रस्ताव का स्वागत किया गया
19.	put up for verification	सत्यापन के लिए प्रस्तुत करें
20.	respectfully beg to say	सादर निवेदन है
21.	selection has taken place	चयन हो गया है
22.	steps may be taken	कार्रवाई की जाए
23.	this is to certify	प्रमाणित किया जाता है
24.	under consideration	विचाराधीन
25.	with immediate effect	तुरंत, तत्काल

परिशिष्ट (ड)

संक्षेपण लेखन

अ. क्र.	वाक्य खंड	शब्द
1.	जिसके आने की तिथि मालूम नहीं है	अतिथि
2.	जिसके समान कोई दूसरा नहीं है	अद्‌वितीय
3.	हृदय को फाडनेवाला	हृदयविदारक
4.	दूसरों के काम में दखल देना	हस्तक्षेप
5.	स्वेच्छा से सेवा करनेवाला	स्वयंसेवक
6.	जिसका कोई शत्रु नहीं जनमा है	अजातशत्रु
7.	जो बिना वेतन के काम करता है	अवैतनिक
8.	बिना बुलाए आना	अनाहूत
9.	किसी देश का मूल निवासी	आदिवासी
10.	लक्षणों के आधार पर रोग की पहचान	निदान
11.	जो कहा न जा सके	अकथनीय
12.	जो बहुत व्यर्थ बोलता है	वाचाल
13.	जो दिन में एक बार भोजन करता है	एकाहारी
14.	जो आग्रह सत्य पर आधारित हो	सत्याग्रह
15.	जो देखने में प्रिय लगे	प्रियदर्शी
16.	बहुत सी भाषाओं को बोलनेवाला	बहुभाषाभाषी
17.	जो लोक में संभव न हो	अलौकिक
18.	शक्ति के अनुसार	यथाशक्ति
19.	क्षण भर में नष्ट होनेवाला	क्षणभंगुर
20.	कम बोलनेवाला	मितभाषी
21.	ऐसे स्थान पर रहना जहाँ कोई पता न पा सके	अज्ञातवास

22.	दूसरे के स्थान पर गुजर करनेवाला	उपजीवि
23.	एक ही पर श्रद्धा रखनेवाला	एकनिष्ठ
24.	प्राचीन काल से संबंधी	पुरातत्त्व
25.	जिससे हानि की आशंका न हो	निरापद

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1) मीडिया लेखनः सिद्धांत और व्यवहार - डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र, संजय प्रकाशन, दिल्ली।

2) जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य - डॉ. सुधीश पचौरी, नटराज प्रकाशन, नई दिल्ली।

3) पटकथा लेखन एक परिचय - मनोहर श्याम जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

4) टेलीविजन पटकथा लेखन - विनोद तिवारी, परिहंस प्रकाशन, नई दिल्ली।

5) पत्रकारिता के नए परिप्रेक्ष्य - राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

6) जनसंचार और पत्रकारिता - विविध आयाम- डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, निराली प्रकाशन, पुणे।

7) मीडिया कालीन हिंदीः स्वरूप एवं संभावनाएँ- डॉ. अर्जुन चव्हाण, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

8) प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका- डॉ. कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।

9) प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

10) प्रयोजनामूलक हिंदी - विविध परिदृश्य - डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, अलका प्रकाशन, कानपुर।

11) हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर - प्रा. विकास पाटील, ए.बी.एस. पब्लिकेशन, वाराणसी।

13) मीडिया में कैरियर - पी. के. आर्य, ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली।

14) प्रयोजनमूलक हिंदी, 'साहित्य सरोवर' - डॉ. श्रीमती आशा मोहन, साहित्य सरोवर प्रकाशन, आगरा।

15) मीडिया : एक अंतर्यात्रा - डॉ. स्मिता मिश्र, मंजुली प्रकाशन, नई दिल्ली।

16) कामकाजी हिंदी - डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

Videos for References :

Language	Title	URL Link
Hindi	विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन	https://www.youtube.com/live/RvaLEfptg4Y?si=x5lh7ItIi9emcPlL
	संभाषण कला	https://youtu.be/bdVx_rF7eAU?si=nKwQ3SlHrwMRdaep
	पत्रलेखन	https://youtu.be/1cVAka72zmo?si=btoRmmCjtM3_cLvU

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

बी. ए. भाग - 3 सत्र - V

Minor – III

प्रश्नपत्र - व्यावहारिक हिंदी और निबंध - III

Faculty	Humanities
Program	B. A. - Hindi
Course	B. A. III
Semester	V
Course Category	Minor - III
Course Name	व्यावहारिक हिंदी और निबंध - III
Course Code	BAU0325MNL402E01
Course Credits	04
Marks	Semester End - 80 + Internal Assessment – 20 = **Total : 100**

उद्देश्य :

1) हिंदी भाषा के व्यावहारिक पक्ष से छात्रों को परिचित कराना।

2) छात्रों को निवेदन कौशल का स्वरुप, व्याप्ति एवं आवश्यकता से अवगत कराना।

3) छात्रों में निवेदक की क्षमताओं को विकसित करना।

4) छात्रों को मुद्रित शोधन के महत्त्व, आवश्यकता एवं चिह्नों से अवगत कराना।

5) छात्रों को हिंदी साहित्य के निबंध विधा से परिचित कर उनमें निबंध के आस्वादन की रूचि निर्माण करना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण।
2. दृक-श्राव्य माध्यमों/पी.पी.टी संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
3. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
4. अतिथियों एवं विशेषज्ञों के व्याख्यान।
5. ग्रंथालयों के माध्यम से निर्धारित संदर्भ ग्रंथों का विद्यार्थियों से परिचय।
6. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।

पाठ्यक्रम

विभाग Module No.	इकाई / विभाग का नाम Name of Topic / Module		श्रेयांक Credit	अध्यापन तासिका Teaching Hour
1.0	**निवेदन कौशल**		01	15
	1.	निवेदन कौशल : स्वरुप, व्याप्ति एवं आवश्यकता।		
	2.	निवेदक के गुण।		
	3.	मंचीय समारोह और निवेदन : साहित्यिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक।		
2.0	**मुद्रित शोधन**		01	15
	1.	मुद्रित शोधन : अर्थ, स्वरुप एवं विशेषताएँ।		
	2.	मुद्रित शोधन : महत्त्व एवं आवश्यकता।		
	3.	मुद्रित शोधन के चिह्न एवं उनका महत्त्व।		
3.0	**निबंध**		01	15
	1.	विश्वास - प्रतापनारायण मिश्र।		
	2.	मजदूरी और प्रेम - सरदार पूर्णसिंह।		
	3.	नेता नहीं नागरिक चाहिए - रामधारी सिंह 'दिनकर'।		
4.0	**निबंध**		01	15
	4.	राष्ट्र का स्वरुप - वासुदेवशरण अग्रवाल।		
	5.	नई संस्कृति की ओर - रामवृक्ष बेनीपुरी।		
	6.	नीलकंठ - हरिशंकर परसाई।		

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1) भाषा संशय-शोधन - कमलेश कमल, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
2) अच्छा बोलने की कला और कामयाबी - डेल कारनेगी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
3) मंच संचालन - सुनील प्रसाद शर्मा।
4) निबंध सौरभ - सं. प्रा. सौ. उमा जाधव, परंपरा पब्लिकेशन, शाहदरा, दिल्ली।
5) साहित्य संचयन - सं. डॉ. नीलम गुप्ता, डॉ. सविता गोविल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

6) समकालीन हिंदी निबंध - कमला प्रसाद, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़।
7) हिंदी निबंध - सं. प्रभाकर माचवे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8) हिंदी निबंध और निबंधकार - डॉ. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

Videos for References :

Language	Title	URL Link
Hindi	मुद्रित शोधन	https://youtu.be/_rWNGganoJc?si=psdkgAwLOI6wmWZE
	मजदूरी और प्रेम	https://www.youtube.com/live/RO9nUBvXNHE?si=I8bbAhdgAn1rL3za
	नेता नहीं नागरिक चाहिए	https://youtu.be/rSUMLrmMbCw?si=2T760d-MZGyW5wEH
	राष्ट्र का स्वरुप	https://www.youtube.com/live/8HdHvBuz8aQ?si=5KbT78p-NHciqRi3
	नई संस्कृति की ओर	https://youtu.be/5uyUyCsEfik?si=9CazRlh4kCdJQNKj
	नीलकंठ	https://youtu.be/RGpl8t4BGJA?si=NnH12Ie_0yuhrFcS

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

बी. ए. भाग - 3 सत्र - VI

Minor – IV

प्रश्नपत्र - व्यावहारिक हिंदी और एकांकी - IV

Faculty	Humanities
Program	B. A. - Hindi
Course	B. A. III
Semester	VI
Course Category	Minor - IV
Course Name	व्यावहारिक हिंदी और एकांकी - IV
Course Code	BAU0325MNL402F01
Course Credits	04
Marks	Semester End - 80 + Internal Assessment – 20 = Total : 100

उद्देश्य :

1. हिंदी भाषा के व्यावहारिक पक्ष से छात्रों को परिचित कराना।
2. छात्रों को वेब पत्रकारिता का स्वरुप एवं उसकी विशेषताओं से परिचित कराना।
3. छात्रों को वेब पत्रकारिता की संभावनाएँ तथा समस्याओं से परिचित कराना।
4. छात्रों को ब्लॉग लेखन का प्रारूप तथा उसके प्रकारों से परिचित कराना।
5. छात्रों को हिंदी साहित्य के एकांकी विधा से परिचित कर उनमें एकांकी के आस्वादन की रूचि निर्माण करना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण।
2. दृक-श्राव्य माध्यमों/पी.पी.टी संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
3. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
4. अतिथियों एवं विशेषज्ञों के व्याख्यान।
5. ग्रंथालयों के माध्यम से निर्धारित संदर्भ ग्रंथों का विद्यार्थियों से परिचय।
6. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।

पाठ्यक्रम

विभाग Module No.	इकाई / विभाग का नाम Name of Topic / Module		श्रेयांक Credit	अध्यापन तासिका Teaching Hour
1.0	**वेब पत्रकारिता**		01	15
	1.	वेब पत्रकारिता : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरुप।		
	2.	वेब पत्रकारिता की विशेषताएँ।		
	3.	वेब पत्रकारिता की नई संभावनाएँ एवं समस्याएँ।		
2.0	**ब्लॉग लेखन**		01	15
	1.	ब्लॉग लेखन : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरुप।		
	2.	ब्लॉग लेखन का महत्त्व।		
	3.	ब्लॉग लेखन का प्रारूप एवं प्रकार।		
3.0	**एकांकी**		01	15
	1.	अधिकार का रक्षक - उपेन्द्रनाथ अश्क।		
	2.	रीढ़ की हड्डी - जगदीशचंद्र माथुर।		
	3.	अंडे के छिलके - मोहन राकेश।		
4.0	**एकांकी**		01	15
	4.	आवाज का नीलाम - धर्मवीर भारती।		
	5.	बहू की विदा - विनोद रस्तोगी।		
	6.	बचाओ, मुझे डॉक्टरों से बचाओ - डॉ. शंकर पुणतांबेकर।		

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1) वेब पत्रकारिता - संपा. हंसराज 'सुमन', एस. विक्रम, नटराजन प्रकाशन, नई दिल्ली।
2) समाचार लेखन और वेब पत्रकारिता - अपूर्व कुलश्रेष्ठ प्रसून, नटराजन प्रकाशन, नई दिल्ली।
3) वेब पत्रकारिता नया मीडिया नये रुझान - शालिनी जोशी, शिवप्रसाद जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4) समाचार लेखन और वेब पत्रकारिता - राम प्रसाद मौर्य
5) सोशल मीडिया और ब्लॉग लेखन - डॉ. स्नेह लता, नटराजन प्रकाशन, नई दिल्ली।

6) हिंदी ब्लॉगिंग: अभिव्यक्ति की नई क्रांति - अविनाश वाचस्पति, रवीन्द्र प्रभात, हिंदी साहित्य निकेतन, बिजनौर।
7) एकांकी प्रतिभा - सं. शांति मेहरोत्रा, ज्योति प्रकाशन, इलाहाबाद।
8) मेरे श्रेष्ठ रंग-एकांकी - जगदीशचंद्र माथुर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
9) नए रंग एकांकी - सं. उपेन्द्रनाथ अश्क, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद।
10) एकांकी सप्तक - शिवाजी विश्वविद्यालय प्रकाशन, कोल्हापुर।

Videos for References :

Language	Title	URL Link
Hindi	वेब पत्रकारिता	https://youtu.be/xSQCGN33_Oc?si=kvP5S3dDZVHDPNYn
	ब्लॉग लेखन	https://www.youtube.com/live/WL5Nb2e57go?si=Ib74mM2NO4EHH64s
	अधिकार का रक्षक	https://youtu.be/u4Cl-jx85-o?si=QJFrLcy63l2azUhO
	रीढ़ की हड्डी	https://youtu.be/5V0yMxrvDIE?si=5LGUUQ_fHmgL7bsw
	अंडे के छिलके	https://youtu.be/WtActgu2u4U?si=vTuDd3m1wlib2seA
	आवाज का नीलाम	https://youtu.be/omFpE3Zei0g?si=NcJNJViNqto5peyL
	बहू की विदा	https://youtu.be/gYIwUcJDN3Y?si=MQ7D23X82ehnRLVE

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

बी. ए. भाग - 3 सत्र - V

Open Electiv (OE) - V

प्रश्नपत्र - हिंदी साहित्य और सिनेमा

Faculty	Humanities
Program	B. A. - Hindi
Course	B. A. III
Semester	V
Course Category	Open Electiv (OE) – V
Course Name	हिंदी साहित्य और सिनेमा - V
Course Code	BAU0325OEL402E01
Course Credits	02
Marks	Semester End - 40 + Internal Assessment – 10 = **Total : 50**

उद्देश्य :

1) छात्रों को साहित्य की परिभाषा, तत्त्व, भेद एवं महत्त्व से परिचित कराना।
2) छात्रों को सिनेमा की परिभाषा, स्वरूप एवं उपयोगिता से परिचित कराना।
3) छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं एवं भारतीय हिंदी सिनेमा से परिचित कराना।
4) छात्रों को कहानियों पर आधारित बनी फिल्मों का रसग्रहण कराना।
5) छात्रों को स्वयं लघु फिल्म निर्माण करने की कला को विकसित करना।

अध्यापन पद्धति :

1) व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण।
2) दृक-श्राव्य माध्यमों/पी.पी.टी संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
3) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
4) अतिथियों एवं विशेषज्ञों के व्याख्यान।
5) ग्रंथालयों के माध्यम से निर्धारित संदर्भ ग्रंथों का विद्यार्थियों से परिचय।
6) शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।

पाठ्यक्रम

विभाग Module No.	इकाई / विभाग का नाम Name of Topic / Module		श्रेयांक Credit	अध्यापन तासिका Teaching Hour
1.0	**1. साहित्य : स्वरूप विवेचन**		01	15
	1.	साहित्य की परिभाषा।		
	2.	साहित्य के तत्त्व।		
	3.	साहित्य के भेद।		
	2. सिनेमा : स्वरूप विवेचन			
	1.	सिनेमा की परिभाषा।		
	2.	सिनेमा के तत्त्व।		
	3.	सिनेमा के प्रकार।		
2.0	**साहित्य और सिनेमा का महत्त्व**		01	15
	1.	साहित्य का महत्त्व।		
	2.	सिनेमा का महत्त्व।		
	3.	हिंदी कहानियों पर बनी फिल्मों का रसग्रहण - अ) तीसरी कसम (फणीश्वरनाथ रेणु) ब) आँधी (कमलेश्वर) क) रजनीगंधा (मन्नू भंडारी)		

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1) साहित्य विवेचन - क्षेमचन्द्र सुमन / योगेन्द्रकुमार मल्लिक।
2) साहित्य और समाज - प्रा. मुकेशकुमार कांजिया।
3) भारतीय सिनेमा का अन्तकरण - विनोद दास।
4) हिंदी साहित्य और सिनेमा - विवेक दुबे।
5) हिंदी साहित्य कोश - संपा. धीरेन्द्र वर्मा।
6) सिनेमा के बारे में - नसरीन मुन्नी कबीर।

Videos for References :

Language	Title	URL Link
Hindi	साहित्य का स्वरूप एवं भेद	https://youtu.be/-RQELMJz5gE?si=BnKcvpeqb4YEqs2v
	साहित्य के तत्त्व	https://youtu.be/oOYvZX9D2EU?si=Pm2cPfWDXbox-uYh
	सिनेमा के तत्त्व	https://youtube.com/watch?v=BPaIDEwnn8s&feature=shared
	सिनेमा के प्रकार	https://youtube.com/watch?v=pY93CeV_Cuc&feature=shared
	साहित्य और सिनेमा	https://youtu.be/TM2i3CRyiew?si=Br3cOQL3trACZDhO
	तीसरी कसम	https://youtu.be/NECNyMkgGKU?si=qxQR63fiZvdP-YAw
	आँधी	https://youtu.be/sqrfzzv9Dm8?si=hScdMWCcuEkTLHnl
	रजनीगंधा	https://youtu.be/hb2pdPDO7DM?si=tn67v_TMecyB3Ap_

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

बी. ए. भाग - 3 सत्र - V

प्रश्नपत्र - क्षेत्र परियोजना (Field Project)

Faculty	Humanities
Program	B. A. - Hindi
Course	B. A. III
Semester	V
Course Category	Field Project (FP) – V
Course Name	क्षेत्र परियोजना (Field Project) - V
Course Code	BAU0325FPL402E01
Course Credits	02
Marks	Semester End Field Project Report - 40 + Internal Assessment (Viva-Voce) – 10 = **Total : 50**

उद्देश्य :

1) छात्रों को शोध परियोजना की संकल्पना एवं स्वरूप से परिचित कराना।

2) छात्रों को स्थानीय समस्याओं से परिचित कराना तथा उनके समाधान खोजने पर जोर देना।

3) छात्रों को कक्षा से बाहर निकालकर वास्तविक दुनिया की चुनौतियों से परिचित कराना।

4) क्षेत्र परियोजना के माध्यम से छात्र अपने समुदायों के विकास में सक्रिय भूमिका अदा करेंगे।

5) छात्रों को व्यावहारिक कुशलता से परिचित कराना।

6) छात्रों को क्षेत्र के भाषिक, साहित्यिक, सामाजिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परिवेश से परिचित कराकर उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाना।

क्षेत्र परियोजना (Field Project) की नियमावली निम्नानुसार प्रस्तुत है :

1) छात्रों को अपने व्यावहारिक ज्ञान के अनुसार अपनी रूचि, उपयोगिता एवं क्षमता के अनुसार अपने कार्यक्षेत्र के किसी एक विषय का चयन करना आवश्यक है।

2) क्षेत्र परियोजना रिपोर्ट टंकित या स्वहस्तलिखित न्यूनतम 5000 शब्दों (पृष्ठ संख्या - 20) में प्रस्तुत करना अनिवार्य है। क्षेत्र परियोजना रिपोर्ट में आवश्यकतानुसार चार्ट, ग्राफ, फोटोग्राफ आदि का प्रयोग करना आवश्यक है।

3) क्षेत्र परियोजना कार्य नकल पर आधारित नहीं होना चाहिए। छात्रों को यह प्रमाणपत्र भी रिपोर्ट के साथ देना आवश्यक है कि प्रस्तुत परियोजना रिपोर्ट उनका मौलिक कार्य है।

4) अनुमति - प्रधानाचार्य एवं शिक्षकगण यह सुनिश्चित करेंगे की छात्र जिस विषय पर फील्ड प्रोजेक्ट करना चाहता है वह विषय स्तरीय एवं वैधानिक है या नहीं।

5) कार्य एवं स्वरूप की रूपरेखा : छात्र प्रस्तावित कार्य व स्वरूप की रूपरेखा एवं लक्षित प्रतिफल का विवरण शिक्षक को प्रस्तुत करेंगे।

6) संभावित विषय क्षेत्र : सकारात्मक भाषिक, साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक आदि के संदर्भ में सेवा कार्य कर सकेंगे।

7) अति आवश्यक : क्षेत्र परियोजना किसी संस्था, धार्मिक, जातिगत अथवा राजनीतिक रूप से पूर्णतः निरपेक्ष हो, किसी संप्रदाय अथवा विशिष्ट राजनीतिक विचारधारा से अभिप्रेरित न हो, किसी वैधानिक स्तर पर चिन्हित व सत्यापित हो।

8) क्षेत्र परियोजना रिपोर्ट में वर्तनी और व्याकरण का गम्भीरता से अनुपालन हो एवं वाड़मय चौर्य (Plagiarism) संहिता का पालन होना अनिवार्य है।

9) छात्रों को शिक्षक या मार्गदर्शक उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी महाविद्यालय के प्रधानाचार्य या विभागाध्यक्ष की रहेगी।

10) क्षेत्र परियोजना में उत्तीर्ण होने के लिए 40 अंक (Field Project Report) में से न्यूनतम 14 अंक तथा 10 अंक (Viva-Voce) में से न्यूनतम 04 अंक अर्थात् कुल 50 अंकों में से न्यूनतम 18 अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

हिंदी अध्ययन मंडल

बी. ए. भाग - 3 सत्र - VI

(OJT) On Job Training (कार्यस्थल पर प्रशिक्षण)

Faculty	Humanities
Program	B.A. Hindi
Course	B.A.III
SEMESTER	VI
Course Category	OJT
Course Code	BAU0325OJTL402F01
Corse Credits	04
Marks	100

उद्देश्य :

1) छात्रों द्वारा अर्जित ज्ञान और कौशल को व्यावसायिक क्षेत्र में वास्तविक कार्य से जोड़कर उन्हें सक्षम करना।

2) छात्रों को किसी भी व्यावसायिक क्षेत्र में वास्तविक कार्य की प्रकृति, उसकी चुनौतियों और अवसरों से परिचित कराना।

3) छात्रों को विश्लेषण, प्रबंधन, निर्णय लेने, समस्या-समाधान, टीम वर्क, समूह के सदस्य के रूप में काम करने की क्षमता, पारस्परिक संबंध और व्यावसायिक नैतिकता जैसे व्यावसायिक कौशल हासिल करने का अवसर प्रदान करना।

4) छात्रों को उद्यमिता के विभिन्न क्षेत्र में उपयोग की जानेवाली अत्याधुनिक तकनीकों या पेशेवर प्रौद्योगिकी प्रणालियों का परिचय कराना।

5) छात्रों को अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद संभावित रोजगार प्राप्त करने के अवसर तथा स्वतंत्र व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करना।

उपलब्धियाँ (Outcomes) :

1) छात्र अपने अर्जित ज्ञान और कौशल को व्यावसायिक क्षेत्र में वास्तविक कार्य से जोडने में सक्षम होंगे।

2) छात्र किसी भी व्यावसायिक क्षेत्र में वास्तविक कार्य की प्रकृति उसकी चुनौतियों और अवसरों से परिचित होंगे।

3) छात्रों में विश्लेषण, प्रबंधन, निर्णय लेने, समस्या-समाधान, टीम वर्क, समूह के सदस्य के रूप में काम करने की क्षमता, पारस्परिक संबंध और व्यावसायिक नैतिकता जैसे व्यावसायिक कौशल हासिल करेंगे।

4) छात्रों को उद्यमिता के विभिन्न क्षेत्र में उपयोग की जानेवाली अत्याधुनिक तकनीकों या पेशेवर प्रौद्योगिकी प्रणालियों का परिचय होगा।

5) छात्रों को अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद संभावित रोजगार प्राप्त होंगे तथा स्वतंत्र व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

संस्था / संगठन की सूची (List Of Organization)

(OJT) On Job Training के प्रशिक्षुओं के लिए संभावित संस्थान निम्नलिखित हो सकते हैं।

1) सरकारी/सहकारी बैंक
2) क्रेडिट सोसायटी (पतसंस्था)
3) विकास संस्था
4) कृषि उत्पादन संस्थान
5) शुगर मिल
6) गुडघर
7) कृषि
8) कंपनियाँ
9) NGO
10) मॉल - उदाहरण के लिए DMART आदि।
11) खरीददारी-बिक्री संघ
12) दुकानें
13) सरकारी कार्यालय (सभी)

14) शैक्षिक संस्थाएँ- स्कूल, कॉलेजों में अध्यापन - सहायक

15) खादी ग्रामोद्योग

16) Spinring Mills

17) समाचार पत्र का कार्यालय- प्रूफ रीडिंग, अनुवाद, वृतांत लेखन, साक्षात्कार आदि।

18) आकाशवाणी - वार्ता संचालन आदि।

19) फिल्म और दूरदर्शन : कथा, पटकथा, गीत, संवाद का लेखन आदि।

20) पत्र-पत्रिकाओं का कार्यालय- प्रूफ रीडिंग, कवि, लेखक, समीक्षक का साक्षात्कार साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक आदि गतिविधियों का लेखन, पुस्तक परिचय आदि।

21) पोस्ट ऑफिस

22) बीमा (LIC)

23) इवेंट मैनेजमेंट संगठन

24) होटल प्रबंधन संस्थान

25) छात्रावास

26) अस्पताल (निजी / सरकारी)

27) सिविल ठेकेदार

28) रियल एस्टेट डेवलपर्स

29) एसटी / निजी परिवहन

30) निजी बैंक (ICICI आदि)

31) वित्तीय संस्थान

32) कृषि विस्तार संगठन

33) मुर्गीपालन फार्म आदि

अंक विभाजन :

अ. क्र.	विवरण	अंक (100 में से)
1.	प्रस्तुति की गुणवत्ता और प्रभावशीलता	10
2.	गहन ज्ञान और व्यावहारिक कौशल	10
3.	सीखने के अनुभव में विविधता और प्रतिनिधित्व	10
4.	पाठ्यक्रम में सिखाई गई अवधारणाओं का व्यावहारिक अनुप्रयोग	10
5.	प्रशिक्षण प्रतिवेदन (Report)	30
6	उपस्थिति रिकॉर्ड, छात्र लॉग, पर्यवेक्षक मूल्यांकन	30

Standard of Passing :

4 क्रेडिट हेतु	
अंक	**श्रेणी**
75-100	O
60-74	A
55-59	B
35-54	C
0-34	D (Fail)

- **अवधि :** 120 घंटे (4 क्रेडिट) (प्रति सप्ताह 30 घंटे (1 क्रेडिट हेतु))
- OJT महाविद्यालय के अध्यापन समय को छोड़कर अन्य समय में सत्र परीक्षा से पहले पूरा करना अनिवार्य है।
- **Winter Internship** - पाँचवे सेमिस्टर के बाद
- **Mode :** ऑफलाइन या ऑनलाइन

❖ अधिक जानकारी हेतु :

1) Higher and Technical Education Department, Government of Maharashtra Internship Policy, Guidelines and Procedures

2) शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर चे संदर्भ क्रं शिवाजी वि./अ.म./240 दि. 22/04/2024 चे पत्र (डॉ.एस.एस.महाजन समिती अहवाल)

3) शासन निर्णय क्रं. एनईपी-2024/प्र.क्र.11/विशि-3 दि. 05 फेब्रुवारी, 2024

4) शासन निर्णय क्रं. एनईपी-2022/प्र.क्र.09/विशि-3/शिकाना दि. 20 एप्रिल, 2023

परिशिष्ट I : इंटर्नशिप सहमति पत्र (InternshipUndertaking)

1 छात्र का नाम			
2. वर्तमान पता			
3. निवास का पता			
4. ईमेल आईडी			
5. मोबाइल नंबर			
6. आधार			
7. पैन नं.			
8. समग्र जीपीए (इंटर्नशिप से पूर्व सभी सत्रों औसत क्रेडिटस)			
9. इंटर्नशिप का तरीका (ऑफलाइन/ऑनलाइन/हायब्रीड मोड			
10. इंटर्नशिप संबंधी प्राथमिकताएँ			
कोर एरिया	**स्थल (Place)**	**क्षेत्र (Sector)**	**संस्था/संघटन(Institute/Organisation)**
वरीयता-1 (Preference-1)			
वरीयता-2 (Preference-2)			
वरीयता-3 (Preference-3)			

परिशिष्ट II: निजी जानकारी (Resume) का मसौदा

नाम .....

संपर्क नंबर और ईमेल आईडी: .....

शिक्षा:.....

उच्च शिक्षा संस्थान का नाम :.....वर्ष.....

बारहवी / मुख्य विषय : .....सीजीपीए : .....

उच्च शिक्षा संस्थान का नाम: .....वर्ष.....

स्नातक डिग्री / मुख्य विषय : .....सीजीपीए: .....

इंटर्नशिप / कार्य अनुभव.....

संस्था-संगठन:.....

परियोजना (Project): .....

संक्षिप्त जानकारी (Brief): .....

शैक्षिक अनुभव : .....

सत्र : .....वर्ष.....

परियोजना (Project): .....

संक्षिप्त जानकारी (Brief):.....

अन्य कार्य : .....

परिशिष्ट III संस्था / संगठन को दिया जानेवाला संपर्क पत्र

(महाविद्यालय के लेटरहेड पर)

प्रति,

प्रबंधक (मानव संसाधन)

.....

विषय: .....कक्षा में अध्ययनरत छात्रों के लिए सप्ताहों की इंटर्नशिप हेतु अनुरोध...

प्रिय महोदय/महोदया,

.....वर्ष में स्थापित यह..... महाविद्यालय उच्च शिक्षा संस्थान अपनी समग्र शैक्षणिक उत्कृष्टता और संरचना के लिए .....वर्ष में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद ने .....ग्रेड प्रदान किया है।

उपरोक्त बातों को ध्यान में रखते हुए, मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि कृपया हमारे निम्नलिखित (छात्रों की संख्या) छात्रों को आपके प्रतिष्ठित संस्थान में व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए अनुमति दें। कृपया अपनी अनुमति प्रदान करें और पुष्टि के बाद छात्रों को प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए कम से कम एक सप्ताह का समय दें।

अ.क्रं.	**नाम**	**उपस्थिति क्रं. Roll No**	**वर्ष (प्रथम,द्वितीय,तृतीय,चतुर्थ)**	**विभाग (विषय)**

इन छात्रों के निजि जानकारी(Resume) इस पत्र के साथ संलग्न हैं। यदि रिक्तियां उपलब्ध हों, तो कृपया उपर्युक्त शाखाओं के छात्रों के लिए साक्षात्कार आयोजित करने की व्यवस्था करें।

पुष्टि मिलने पर हम अत्यंत आभारी होंगे।

भवदीय,

नोडल अधिकारी/टीपीओ

महाविद्यालय का नाम और तिथि

परिशिष्ट IV: विद्यार्थी का रिलीविंग पत्र

(महाविद्यालय के लेटरहेड पर)

प्रति,

प्रबंधक(मानव संसाधन)

.....

विषय: विद्यार्थी का कार्यमुक्तता पत्र

महोदय,

उपरोक्त विषय के संदर्भ में आपका पत्र / ईमेल दिनांक .. ..देखे। आपकी अनुमति से निम्नलिखित छात्र आपके प्रतिष्ठित संगठन में आपके मार्गदर्शन और निर्देशन में औद्योगिक इंटर्नशिप करेंगे।

अ.क्रं.	नाम	उपस्थिति क्रं. (Roll No)	वर्ष(प्रथम,द्वितीय,तृतीय,चतुर्थ)	विभाग (विषय)

यह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का एक अनिवार्य हिस्सा होने के कारण, प्रशिक्षण के लिए पाठ्यक्रम में निम्नलिखित दिशा-निर्देश निर्धारित किए गए हैं। अतः आपसे अनुरोध है कि कृपया संबंधित छात्र मार्गदर्शक को निम्नलिखित दिशा-निर्देश जारी करें।

- इंटर्नशिप का कार्यक्रम तैयार करके उसकी एक प्रति हमें भेजी जा सकती है।
- प्रत्येक छात्र को इंटर्नशिप डायरी और रिपोर्ट तैयार करना अनिवार्य है।
- कृपया छात्र की इंटर्नशिप डायरी को प्रतिदिन देखें।
- प्रशिक्षण के दौरान कार्य घंटों और उपस्थिति रिकॉर्ड के रखरखाव के संबंध में निर्देश जारी करें।

आपसे अनुरोध है कि आप छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन निम्नलिखित कारकों के आधार पर ग्रेडिंग के माध्यम से करें, अर्थात् उत्कृष्ट, बहुत अच्छा, संतोषजनक और असंतोषजनक इस प्रकार आप मूल्यांकन करें।

- उपस्थिति और सामान्य व्यवहार

- कर्मचारियों और पर्यवेक्षकों के साथ संबंध
- सीखनें में पहल और प्रयास
- ज्ञान और कौशल में सुधार
- संगठन में योगदान

प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रदर्शन रिपोर्ट को सीलबंद लिफाफे में अधोहस्ताक्षरी को भेज दिया जाए। इस संबंध में आपके प्रयासों से छात्रों के ज्ञान और व्यावहारिक कौशल में सकारात्मक वृद्धि होगी। आपके सहयोग की हम अत्यधिक सराहना करते हैं और इसके लिए हम आपके आभारी रहेंगे।

इस पत्र की एक प्रति के साथ। छात्र संगठन के नियमों और विनियमों का पालन करेंगे और अपनी इंटर्नशिप के दौरान उचित अनुशासन बनाए रखेंगे। छात्र तय तिथि को आपको रिपोर्ट करेंगे।

भवदीय,

नोडल अधिकारी/टीपीओ

महाविद्यालय का नाम और तिथि

परिशिष्ट V : विद्यार्थी डायरी प्रारूप

सप्ताह	सौंपा गया कार्य	की गईंगतिविधियां	मुख्य शिक्षण (प्राप्त ज्ञान/कौशल)	अतिरिक्त टिप्पणियाँ

उद्योग पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर

परिशिष्ट - VI : उपस्थिति पत्रक

इंटर्नशिप संस्था/ संगठन के लेटरहेड पर

संस्था / संगठन का नाम और पता : .....

.....

छात्र का नाम	
रोल नंबर	
पाठ्यक्रम का नाम	
प्रशिक्षण प्रारंभ होने की तिथि	
प्रशिक्षण पूर्ण होने की तिथि	

सप्ताह	**सोमवार**	**मंगलवार**	**बुधवार**	**गुरुवार**	**शुक्रवार**	**शनिवार**
1						
2						
3						
4						
5						

- उपस्थिति पत्रक दैनिक प्रशिक्षण डायरी में संलग्न रहना चाहिए।
- उपस्थिति कॉलम में छुट्टियों को लाल स्याही से अंकित करें। अनुपस्थिति को लाल स्याही से 'A' के रूप में अंकित करें।

इंटर्नशिप सुपरवाइजर का नाम और हस्ताक्षर

परिशिष्ट VII : प्रशिक्षु का पर्यवेक्षक मूल्यांकन

इंटर्नशिप संस्था / संगठन के लेटरहेड पर

छात्र का नाम:.....

तिथि.....

कार्य पर्यवेक्षक का नाम :.....

इंटर्नशिप का पदनाम : .....

संस्था / संघटन : .....

इंटर्नशिप पता:.....

इंटर्नशिप की तिथि: .....**से**.....

कृपया निम्नलिखित बातों का अध्ययन करके प्रशिक्षु (इंटर्न) का मूल्यांकन करें।

मापदंड (पैरामीटर)	सुधार की जरूरत	संतोषजनक	अच्छा	उत्कृष्ट
व्यवहार				
भरोसेमंद तरीके से कार्य करता है				
सहकर्मियों और पर्यवेक्षकों के साथ सहयोग करता है।				
काम में रुचि दिखाता है				
जल्दी सीखता है				
पहल दिखाता है				
उच्च गुणवत्ता का कार्य करता है				
जिम्मेदारी स्वीकार करता है				
आलोचना स्वीकार करता है				
संगठनात्मक कौशल प्रदर्शित करता है				
तकनीकी ज्ञान और विशेषज्ञता का उपयोग करता है				
अच्छा निर्णय दिखाता है				

रचनात्मकता / मौलिकता				
समस्याओं का प्रभावी ढंग से विश्लेषण करता है				
आत्मनिर्भर है				
अच्छा संप्रेषण करता है				
प्रभावी ढंग से लिखते हैं				
प्रोफेशनल रवैया रखता है				
एक प्रोफेशनल देता है				
समय का पाबंद है				
समय का प्रभावी ढंग से उपयोग करता है				

छात्र प्रशिक्षु का समग्र प्रदर्शन : (सुधार की आवश्यकता है/संतोषजनक/अच्छा/उत्कृष्ट)

(किसी एक को चिन्हाकित कीजिए)

अतिरिक्त टिप्पणियाँ, यदि कोई हों:

उद्योग पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर

नाम

मानव संसाधन प्रबंधकके हस्ताक्षर

नाम

परिशिष्ट VIII : इंटर्नशिप पर छात्र की प्रतिक्रिया

(इंटर्नशिप पूर्ण होने के बाद छात्रों द्वारा भरना है)

छात्र का नाम: ……

दिनांक : …….

औद्योगिक पर्यवेक्षक का नाम : ……

पदनाम : …….

पर्यवेक्षक ईमेल:……

इंटर्नशिप : वैतनिक / अवैतनिक

संगठन:……

इंटर्नशिप पता:……

संकाय (शिक्षक) समन्वयक:……

विभाग:……

तिथि:…….से …… तक

अपने इंटर्नशिप कार्य का संक्षिप्त विवरण दें (पदनाम और वे कार्य जिनके लिए आप जिम्मेदार थे):

क्या आपका इंटर्नशिप अनुभव आपके अध्ययन के मुख्य क्षेत्र से संबंधित था?

- हाँ, काफी हद तक
- हाँ, कुछ हद तक
- नहीं, बिल्कुल भी संबंधित नहीं है

निम्नलिखित कथनों से आप किस हद तक सहमत या असहमत हैं, लिखिए।

यह अनुभव है	पूर्णतः सहमत	सहमत	कोई राय नहीं	असहमत	पूर्णतःअसहमत
मुझे एक करियर क्षेत्र का पता लगाने का अवसर दिया गया और मुझे आवेदन करने की अनुमति दी गई।					

कक्षा में सिद्धांत को व्यवहार में लाने से मुझे निर्णय लेने और समस्या-समाधान कौशल विकसित करने में मदद मिली।					
स्थायी रोजगार से पहले मैंने कार्य जगत के बारे में अपना ज्ञान बढ़ाया।					
इससे मुझे अपने लिखित और मौखिक संचार कौशल विकसित करने में मदद मिली।					
नेतृत्व कौशल का उपयोग करने का अवसर प्रदान किया (दूसरों को प्रभावित करना, दूसरों के साथ विचारों को विकसित करना, निर्णय लेने और कार्रवाई को प्रोत्साहित करना)।					
इस कार्य से जुड़े नैतिक निहितार्थों के प्रति मेरी संवेदनशीलता बढ़ी।					
OJT ने मुझे नई परिस्थितियों में अधिक आत्मविश्वास महसूस करने में सक्षम बनाया।					
मुझे अपने पारस्परिक कौशल को बेहतर बनाने का मौका मिला।					
OJT ने मुझे जिम्मेदारी संभालना और अपने समय का सदुपयोग करना सिखाया।					
OJT ने मुझे अपने व्यक्तित्व के					

उन नए पहलुओं को खोजने में मदद की जिनके बारे में मैं अनजान था।					
OJT ने मुझे नई रुचियां और क्षमताएं विकसित करने में मदद की।					
इससे मुझे अपने करियर के लक्ष्यों को स्पष्ट करने में मदद मिली।					
मुझे ऐसे संपर्क मिले जिनसे भविष्य में रोजगार मिलने की संभावना है।					
OJT से मुझे ऐसी जानकारी प्राप्त हुई या ऐसे उपकरणों का उपयोग करने की अनुमति मिली जो मेरे संस्थान में उपलब्ध नहीं थे।					

संस्थान के इंटर्नशिप कार्यक्रम में संकाय सदस्यों से छात्रों के लिए मार्गदर्शक बनने की अपेक्षा की जाती है। क्या आपको लगता है कि आपके संकाय समन्वयक ने ऐसी भूमिका निभाई? हाँ या ना। यदि नहीं तो क्यों नहीं?

……..

आपने अपने प्रशिक्षण अनुबंध में निर्धारित प्रारंभिक लक्ष्यों, कार्यों और नए कौशल को कितनी अच्छी तरह से पूरा किया? आप अपने अनुबंध से आगे बढ़कर नई दिशा में कैसे आगे बढ़ पाए? कुछ लक्ष्य पर्याप्त रूप से क्यों पूरे नहीं हो पाए? हाँ या ना। यदि नहीं तो क्यों नहीं? ..... आपने किन क्षेत्रों में सबसे अधिक विकास और सुधार किया?.....

आपकी इंटर्नशिप की सबसे महत्त्वपूर्ण उपलब्धि या सबसे संतोषजनक क्षण कौन सा रहा है?.....

आपको इंटर्नशिप में क्या पसंद नहीं आया?.....

अपने समग्र अनुभव को ध्यान में रखते हुए आप इस इंटर्नशिप को क्या रेटिंग देंगे? संतोषजनक/अच्छा/उत्कृष्ट

अपने इंटर्नशिप अनुभव को बेहतर बनाने के लिए सुझाव दें। (क्या आप अतिरिक्त ज़िम्मेदारी संभाल सकते थे? क्या आप इंटर्नशिप के संबंध में अपने प्रोफेसर के साथ अधिक चर्चा करना चाहते थे? क्या अधिक गहन पर्यवेक्षण की आवश्यकता थी? क्या अधिक मार्गदर्शन की आवश्यकता थी?

छात्र के हस्ताक्षर

नाम…….

रोल नंबर……

दिनांक……

परिशिष्ट IX: संस्थान द्वारा इंटर्नशिप के मूल्यांकन हेतु प्रपत्र

(महाविद्यालय के लेटरहेड पर)

1. छात्र का नाम :……

2. मोबाइल नंबर :……

3. रोल नं.:…… ……

4. शाखा/सेमिस्टर :……

5. प्रशिक्षण की अवधि……

6. घर का पता और संपर्क नंबर : ……

7. प्रशिक्षण स्थल का पता:…….

8. प्रशिक्षण प्रदान करने वाली एजेंसी का पता……

9. प्रशिक्षण प्रभारी का नाम/पदनाम : ……

10. कार्य का प्रकार :……

11 मूल्यांकन की तिथि :... .....

12. कृपया निम्नलिखित बातों का मूल्यांकन करें-

अ.क्रं.	**विवरण**	**अंक**	**अंक**	**प्राप्तांक**
1	प्रस्तुति की गुणवत्ता और प्रभावशीलता			
2	गहन ज्ञान और प्रदर्शित कौशल			
3	सीखने के अनुभव की विविधता और प्रासंगिकता			
4	व्यावहारिक अनुप्रयोग और सिखाई गई अवधारणाओं के साथ संबंध			
5	इंटर्नशिप रिपोर्ट			
6	उपस्थिति रिकॉर्ड, छात्र लॉग, पर्यवेक्षक मूल्यांकन			

समग्र ग्रेड:

संकाय सलाहकार के हस्ताक्षर